राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 14 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–171 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकने के लिए रोजगार और कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता : अमित शाह

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सीमावर्ती गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इन सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकने के लिए स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती गांवों के आसपास तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और सेना को सहकारी समितियों के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना और सीएपीएफ की स्वास्थ्य सुविधाओं को नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि आसपास के गांवों के निवासियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने सौर ऊर्जा और पवन चक्कियों आदि जैसे ऊर्जा के अन्य नवीकरणीय स्रोतों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती गांवों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने के निर्देश दिए। अब तक इन सीमावर्ती गांवों में 6000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 4000 सेवा वितरण और जागरूकता शिविर शामिल हैं। इन गांवों में रोजगार सृजन के लिए केंद्र सरकार द्वारा 600 से अधिक परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। बैठक के दौरान गृह मंत्री ने लंबित मुद्दों के निपटान के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया। 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत 136 सीमावर्ती गांवों को 2,420 करोड़ रुपये की लागत से 113 ऑल-वेदर रोड परियोजनाओं के माध्यम से कनेक्टिविटी प्रदान की जा रही है। इन क्षेत्रों में 4जी कनेक्टिविटी पर तेजी से काम किया जा रहा है और दिसंबर 2024 तक वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत आने वाले सभी गांवों को 4जी नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। इन सभी गांवों में वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं और वहां इंडिया पोस्ट-पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) की सुविधा भी दी जा रही है। इन वाइब्रेंट गांवों में जीवंतता लाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटक सर्किट विकसित करने का काम किया जा रहा है। इस प्रयास में पर्यटन मंत्रालय के साथ समन्वय करके क्षमता निर्माण और पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ 14 फरवरी, 2023 को

4800 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ किया गया। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, सीमा प्रबंधन सचिव और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

ब्रिटेन के गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं पर हमला, दो युवतियां घायल

अमृतसर।

ब्रिटेन के ग्रेवसेंड के एक गुरुद्वारे में हेट क्राइम का मामला सामने आया। यहां एक नाबालिग ने श्रद्धालुओं पर कृपाण से हमला कर दिया। इसमें दो युवतियां घायल हो गई। उन्हें हाथ और बाजू पर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। उसके माथे से खून बह रहा था। पुलिस नाबालिग आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी किशोर ब्रिटिश नागरिक है। घटना ग्रेवसेंड स्थित गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा में गुरुवार शाम की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक श्रद्धालु गुरुद्वारा परिसर में माथा टेक रहे थे। इस दौरान आरोपी किशोर सिख श्रद्धालु बनकर गुरुद्वारा परिसर में घुस गया। उसने माथा टेकते समय वहीं रखी कृपाण उठा ली। कृपाण लेकर वह श्रद्धालुओं की ओर बढ़ा और उन पर हमला कर दिया। इस घटना में दो पंजाबी युवतियां घायल हो गई। एक युवती के हाथ पर चोट आई, जबकि दूसरी की बाजू और हाथ में चोट लगी है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। युवतियों का कहना है कि अगर संगत आरोपी को काबू ना करती तो वे उन्हें मार डालता। वे मारने की नीयत से ही गुरुद्वारा में आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही अभी हमला करने के कारणों का पता नहीं चला सका है।

जदयू ने संविधान हत्या दिवस मनाए जाने के अमित शाह के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के महासचिव केसी त्यागी ने 1975 के आपातकाल की याद को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाए जाने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फैसले का स्वागत किया है। उधर कांग्रेस ने इस पर पलटवार किया है। शनिवार को यहां मीडिया से बातचीत में जदयू महासचिव केसी त्यागी ने कहा, 1975 के आपातकाल की याद को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाए जाने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फैसले का जदयू स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल को वही लोग भूल गए हैं, जिन्होंने आपातकाल लगाया था। उन्होंने आगे कहा कि 25 जून, 1975 भारत के इतिहास में एक काला दिन है और हमें खुशी है कि इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जा रहा है। जब जयराम रमेश व उनकी पार्टी जश्न मना रही थी, तब हम सभी सलाखों के पीछे थे और उन्हें दर्द के बारे में पता नहीं है। जिन लोगों ने आपातकाल को झेला है, उन्हें वे बुरे दिन आज भी याद हैं।

झीलों, नदियों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के तलछट में जमी गाद, कचरे को उपयोग लायक बनाने पर होगा शोध

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने ड्रेज्ड सेडिमेंट्स (झीलों, नदियों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के तलछट में जमा गाद, कचरा आदि) के मूल्यवर्धन पर एक शोध प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की स्वीयकृत अनुमानित लागत 46,47,380/- रुपये है। इसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) तीन वर्षों की अवधि में क्रियान्वित करेगा। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक इस प्रस्ताव पर अतिरिक्त सचिव (बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग) की अध्यक्षता में 45वीं शोध समिति की बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया। विस्तृत चर्चा के बाद शोध समिति ने अध्ययन के संभावित लाभों को देखते हुए प्रस्ताव को आगे विचार के लिए अनुशंसित किया। इस अनुशंसा के बाद प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को उपयोगी निर्माण वस्तुरओं में बदलकर पर्यावरण संबंधी समस्यांओं का निदान और संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार मोदी-शाह की गिरती साख का प्रमाण : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत को सकारात्मक राजनीति का परिणाम बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की यह हार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की राजनीतिक साख में आ रही गिरावट का परिणाम है। श्री खड़गे ने कहा, विधानसभा उपचुनाव के सकारात्मक परिणाम के लिए हम जनता के सामने नतमस्तक हैं। उन्होंने जहाँ-जहाँ कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए वोट किया इसके लिए उनका तहेदिल से धन्यवाद और आभार। उन्होंने कहा, विपरीत परिस्थितियों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रयासों के लिए उनका अभिवादन करते हैं। ये जीत दर्शाती है कि जनता ने भाजपा के अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को अब सिरे से नकार दिया है। यह मोदी-शाह की गिरती राजनीतिक साख का भी प्रबल प्रमाण है। जय हिंद, जय संविधान। पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, पहले अयोध्या में प्रभु राम का आशीर्वाद 'इंडिया' को, अब श्री बद्रीनाथ में भोले बाबा का आशीर्वाद 'कांग्रेस' को। सत्यमेव जयतेः।

विधानसभा उपचुनाव: 'इंडिया' गठबंधन को बढ़त

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के सात राज्यों की 13 सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव की शनिवार को हुई मतगणना के बाद आए परिणाम/रूझान में 'इंडिया' गठबंधन बढ़त बनाते हुए दिख रहा है। विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को पंजाब की एक, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पश्चिम बंगाल की चार, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट पर मतदान हुआ था। 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक ने उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे थे। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पंजाब में, सत्तारूढ़ 'आप' के मोहिंदर भगत ने जालंधर पश्चिम सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार शीतल अंगुरल को 37, 325 मतों के अंतर से हराया। अंगुरल के मार्च में 'आप' विधायक के रूप में इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस सीट पर बड़ी बढ़त के साथ मिली जीत से पता चलता है कि राज्य के लोग उनकी सरकार के काम से ''बहुत खुश'' हैं। वेबसाइट के अनुसार, तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अन्नियूर शिवा ने विक्रवांडी विधानसभा सीट पर पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अंबुमणि सी को 67, 757 वोटों से पराजित किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों कृष्णा कल्याणी, मधुपर्णा ठाकुर, मुकुट मणि अधिकारी ने क्रमशः रायगंज, बगदाह, राणाघाट दक्षिण सीट पर जीत हासिल की, जबकि सुप्ति पांडे मानिकतला सीट पर आगे हैं। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में कल्याणी ने भाजपा के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मानस कुमार घोष पर 50, 077 मतों के अंतर से जीत हासिल की।

कल्याणी को 86, 479 मत मिले जबकि घोष को 36, 402 वोट मिले।

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य एवं मतुआ नेता ममताबाला ठाकुर की बेटी मधुपर्णा ठाकुर ने उत्तर 24 परगना जिले की बगदाह विधानसभा सीट पर भाजपा के अपने प्रतिद्वंद्वी बिनय कुमार बिश्वास को 33, 455 मतों के अंतर से हराया।

मधुपर्णा ठाकुर को 1, 07, 706, जबकि बिश्वास को 74, 251 वोट मिले। उत्तर 24 परगना के राणाघाट दक्षिण में तृणमूल कांग्रेस के मुकुट मणि अधिकारी ने भाजपा उम्मीदवार मनोज कुमार बिश्वास को 39, 048 मतों से हराया।

अधिकारी को 1, 13, 533 मत जबकि बिश्वास को 74, 485 वोट मिले। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश ठाकुर ने देहरा विधानसभा सीट पर भाजपा के होशियार सिंह को 9, 399 मतों से हराया। नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा ने भाजपा के केएल ठाकुर को 25, 618 मतों से हराया।

वेबसाइट के अनुसार, भाजपा ने हमीरपुर सीट जीती है। भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा को 27, 041 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के पुष्पिंदर वर्मा को 25, 470 वोट मिले।

निर्वाचन आयोग के अनुसार उत्तराखंड में कांग्रेस के प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला ने बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व मंत्री एवं विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजेंद्र सिंह भंडारी को 5, 224 मतों से हराया। बुटोला को 28, 161 वोट जबकि भंडारी को 22, 937 वोट मिले। वहीं, मंगलौर सीट के उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार काजी निजामुद्दीन अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के करतार सिंह भड़ाना पर बढ़त बनाए हुए हैं।

संविधान हत्या दिवस को लेकर प्रियंका का सरकार पर हमला, कहा- संविधान की आत्मा पर प्रहार करने वाले

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1975 में आपातकाल लगाने की तिथि 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जिन्होंने बार-बार संविधान पर प्रहार किया है वे नकारात्मक सोच के साथ 'संविधान हत्या दिवस' मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी संविधान को नहीं माना, संविधान लागू करने का विरोध किया, इसका कभी सम्मान नहीं किया और संविधान खत्म करने का आव्हान करते रहे हैं लेकिन अब वही लोग 'संविधान हत्या दिवस मनाने' जा रहे हैं। वाड्रा ने कहा 'भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है।

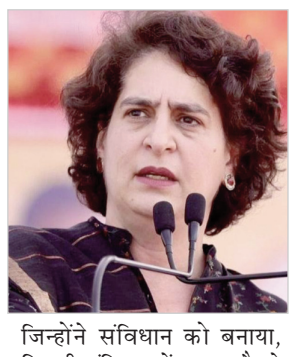

जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा जिन्होंने संविधान लागू होने का विरोध किया, संविधान की समीक्षा करने के लिए आयोग बनाया, संविधान खत्म करने का आह्वान किया, अपने फैसलों और कृत्यों से बार-बार संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार किया, वे नकारात्मक राजनीति वाला 'संविधान हत्या दिवस' मनाएंगे ही, इसमें आश्चर्य कैसा।

केंद्र ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को और शक्तियां दीं

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को पुलिस और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) जैसी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों से संबंधित निर्णय लेने तथा विभिन्न मामलों में अभियोजन की मंजूरी देने के लिए और शक्तियां सौंपी हैं। उपराज्यपाल भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो से संबंधित मामलों के अलावा महाधिवक्ता और अन्य कानून अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में भी निर्णय ले सकते हैं। जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किये जाने के बाद लागू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत जारी नियमों में संशोधन कर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को उपराज्यपाल को ये शक्तियां दीं। गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, 'पुलिस, लोक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो के संबंध में वित्त विभाग की पूर्व सहमति की आवश्यकता वाले किसी भी प्रस्ताव को तब तक स्वीकार या अस्वीकार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इसे मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष नहीं रखा जाता है।' अधिसूचना में कहा गया है, 'विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग, न्यायालय की कार्यवाही में महाधिवक्ता की सहायता के लिए महाधिवक्ता और अन्य विधि अधिकारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के माध्यम से उपराज्यपाल के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा।' अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि अभियोजन मंजूरी प्रदान करने या अपील दायर करने के संबंध में कोई भी प्रस्ताव विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग द्वारा मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष रखा जाएगा। मंत्रालय ने कहा, 'इसके साथ ही यह प्रावधान भी किया गया है कि कारागार, अभियोजन निदेशालय और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से संबंधित मामले मुख्य सचिव के माध्यम से गृह विभाग के प्रशासनिक सचिव द्वारा उपराज्यपाल को प्रस्तुत किए जाएंगे।' मंत्रालय ने यह भी कहा कि प्रशासनिक सचिवों का पदस्थापन और स्थानांतरण तथा अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के पदों से संबंधित मामलों के संबंध में प्रस्ताव मुख्य सचिव के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग के प्रशासनिक सचिव द्वारा उपराज्यपाल को प्रस्तुत किए जाएंगे।

अमेरिका पर भड़के एनएसए डोभाल, सुलिवन को फोन पर सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने हाल ही में कहा था कि भारत का एक लंबे समय के लिए रूस पर भरोसा करना सही निर्णय नहीं है। इसके अलावा, भारत में तैनात अमेरिकी राजूदत एरिक गार्सेटी की धमकी भरा लहजा देखने को मिला है। गार्सेटी ने गुरुवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि जब दूसरे देश नियमों पर आधारित व्यवस्था के खिलाफ जाते हैं तो भारत और अमेरिका को लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखना चाहिए। इसके बाद अब बारी भारत की थी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की मास्को यात्रा के बारे में टीवी चैनल पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। सुलिवन ने कहा, ''हमने भारत समेत दुनिया के हर देश को यह स्पष्ट कर दिया है कि दीर्घकालिक, भरोसेमंद साझेदार के रूप में रूस पर भरोसा करना अच्छा दांव नहीं है।''सुलिवन पिछले महीने भारत के अपने समकक्ष अजीत डोभाल के साथ बैठक के लिए भारत आए थे। शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की थी। सुलिवन ने कहा, ''रूस चीन के करीब होता जा रहा है। वास्तव में, यह चीन का साझेदार बनता जा रहा है। इस तरह, वे हमेशा भारत के बजाय चीन का पक्ष लेंगे।''उन्होंने हालांकि माना कि भारत जैसे देशों के रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं और यह स्थिति नाटकीय रूप से रातों-रात बदलने वाली नहीं है। मोर्चा खुद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने संभाला। उन्होंने शुक्रवार को अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि डोभाल और सुलिवन ने शांति और सुरक्षा की दिशा में वैश्विक चुनौतियों से निपटने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और विस्तार देने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता दोहराई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 'साझा मूल्यों और समान रणनीतिक एवं सुरक्षा हितों पर आधारित भारत-अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

क्षेत्रीय भाषाओं में होनी चाहिए कानून की पढ़ाई : न्यामूर्ति डीवाई चंद्रचूड़

लखनऊ/नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूं कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएलबी कोर्स शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े कानूनों को भी पढ़ाना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मान लीजिए अगर कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के पड़ोस के गांव में, गांव से विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय की विधिक सहायता केंद्र में आता है और अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति को कैसे मदद कर पाएगा। इसलिए जमीन संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में भी छात्र को अवगत कराना चाहिए।

उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। उदाहरण के तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत के संविधान में प्रचलित विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में आखिर लिखा क्या गया है। आज 1950 से लेकर 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय के 37000 निर्णय है, जिनका हिंदी में अनुवाद हो गया है और यह सेवा सब नागरिकों के लिए मुफ्त है। दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायायल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह, विभागाध्यक्ष विधि प्रो. आदित्य प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई न्यायमूर्ति उपस्थित रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जमानत और जेल

जब किसी को अदालत से जमानत मिलती है, तो कहा जाता है कि वह जमानत पर बाहर आ गए। मगर शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जो अंतरिम जमानत मिली है, उसे लेकर यह नहीं कहा जा सकता। बेशक सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली शराब-नीति मामले से जुड़े मनी लॉंड्रिरंग केस में जमानत दे दी है, लेकिन सिर्फ इतने से ही उनकी जेल से रिहाई नहीं हो पाएगी। कुछ सप्ताह पहले भी उन्हें इसी मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत दे दी थी, हालांकि हाईकोर्ट ने तब इस पर रोक लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय, यानी 'ईडी' के सामने यह तभी स्पष्ट हो गया था कि इस मामले में केजरीवाल को बहुत समय तक जेल में रखा जाना शायद संभव न हो। ठीक उसी समय एक दूसरी जांच एजेंसी 'सीबीआई' आगे आई और उसने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की आबकारी नीति को लेकर एक मामला दर्ज किया और उन्हें औपचारिक रूप से अपनी हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें इस मामले में भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री एक मामले में जमानत हासिल करने में कामयाब भी रहे, तो दूसरा मामला उन्हें जेल से बाहर जाने से रोक देगा। शुक्रवार को यही हुआ और जमानत की खबर उनके लिए कोई राहत नहीं ला पाई। यह जरूर है कि इन मामलों पर जो राजनीति चल रही है, उनमें आम आदमी पार्टी को अपनी आक्रामकता दिखाने का एक और मौका मिल गया। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सिर्फ इतना ही नहीं हुआ। अरविंद केजरीवाल ने जो अर्जी सर्वोच्च अदालत में दाखिल की थी, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने उसे एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया। इस याचिका में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और उसे गैर-कानूनी बताया था। जब इस याचिका पर बड़ी पीठ विचार करेगी, इस दरमियान केजरीवाल जमानत पर रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के सवाल पर अदालत ने कहा कि हमें संदेह है कि अदालत एक निर्वाचित नेता को पद छोड़ने का निर्देश दे सकती है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि यह फैसला हम पूरी तरह अरविंद केजरीवाल पर छोड़ते हैं। इसके पहले आम चुनाव के दौरान भी अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिली थी, जो दिल्ली में मतदान खत्म होने के साथ ही खत्म हो गई थी। तब केजरीवाल रिहा होकर बाहर आए थे और उन्होंने पूरे देश में प्रचार भी किया था, इस बार जमानत के बाद भी वह जेल में ही रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट काफी पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि नियमत- हर किसी को जमानत मिलनी चाहिए, केवल अपवाद मामलों में ही किसी को जेल में रखा जाना चाहिए। कौन सा मामला अपवाद है और कौन सा नहीं, यह हमेशा ही विवादास्पद रहता है। जिन मामलों में कोई राजनीतिज्ञ शामिल हो, वहां ऐसे विवाद काफी बढ़ जाते हैं। यह भी सच है कि दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े जितने भी मामले हैं, वे काफी समय से चल रहे हैं और गिरफ्तारियों व आरोपों के अलावा चीजें बहुत आगे बढ़ती हुई दिख नहीं रही हैं। इसमें कितना इस वजह से है कि हमारी न्यायिक प्रक्रिया में चीजें बहुत ज्यादा खिंचती ही हैं और कितना इस वजह से कि इन मामलों में राजनीतिक खींचतान काम कर रही है। यह ऐसी समस्या है, जिसका समाधान पारदर्शिता लाकर ही किया जा सकता है।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

नए बजट से मध्यम वर्ग को राहत का सवाल

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

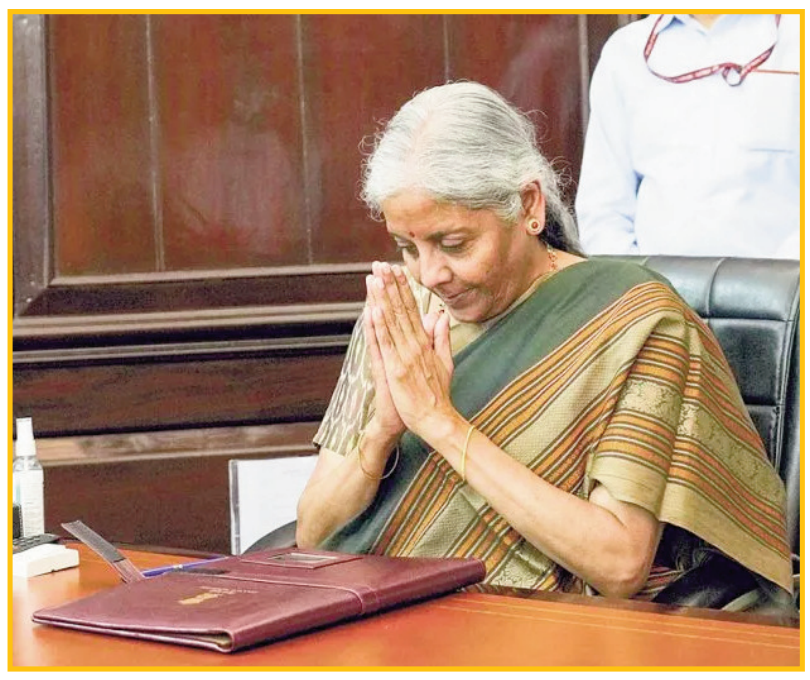

इन दिनों पूरे देश के साथ-साथ दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की निगाहें 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट की ओर लगी हैं। हाल ही में आयी वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी मार्गन स्टेनली की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के नए बजट में राजस्व व्यय के मुकाबले पूंजीगत खर्च पर जोर रहेगा और इससे मध्यम वर्ग लाभान्वित होते हुए दिखाई दे सकता है। साथ ही इसमें 2047 तक विकसित भारत के लिए खाका और राजकोषीय मजबूती के लिए मध्यम अवधि की योजना पेश की जा सकती है। नए बजट के जरिये मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ा जा सकता है। मध्यम वर्ग को राहत देने को लेकर लगातार मांग तेज हुई है। विगत वर्षों में जहां गरीब वर्ग के लिए राहतों का ऐलान किया गया, वहीं कॉर्पोरेट जगत पर भी ध्यान दिया। लेकिन राहत पाने के मामले में सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। 18वीं लोकसभा चुनाव के मतदान में मध्यम वर्ग की नाराजगी भी दिखाई दी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री के संबोधन में जिक्र था कि मध्यम वर्ग कैसे कुछ बचत बढ़ा सके तथा इस वर्ग के लोगों की जिंदगी को कैसे आसान बनाया जा सके, इस परिप्रेक्ष्य में रणनीति पूर्वक आगे बढ़ा जाएगा। गौरतलब है कि इस पूर्ण बजट 2024-25 के समय आयकर संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद है। पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साल 2023-24 में आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8 करोड़ के स्तर को पार कर चुका है और बीते 10 साल में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने से अधिक हुए हैं। आयकर विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2013-14 में आयकर संग्रह करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये था। यह फिर तेजी से बढ़ता गया। यह वर्ष 2019-20 में 10.5 लाख करोड़ रुपये हो गया। कोरोनाकाल के कारण यह 2020-21 में कुछ घटा। लेकिन 2021-22 में 14.08 करोड़ रुपये, 2022-23 में 16.64 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 19.58 करोड़ रुपये हो गया। ऐसी मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नए और पुराने दोनों स्लैब की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं व मध्यम वर्ग को राहतों से लाभान्वित किया जा सकता है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। इसके तहत मानक कटौती यानी स्टैंडर्ड डिडक्शन सीमा को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये तक किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में मानक कटौती की सीमा 40 हजार रुपये थी और वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया गया था। मानक कटौती वह धनराशि है, जिसे वेतनभोगी करदाता अपनी कर योग्य आय में से बिना कोई सबूत दिए घटा सकता है। टीडीएस के कारण वेतनभोगी अपने वेतन पर ईमानदारी से आयकर चुकाते हैं जहां आमदनी कम बताने की गुंजाइश नगण्य होती है। वेतनभोगी वर्ग द्वारा नए बजट में राहत की अपेक्षा इसलिए भी न्यायसंगत है कि इस वर्ग द्वारा दिया गया कुल आयकर पेशेवरों और कारोबारी करदाता वर्ग द्वारा चुकाए गए आयकर से काफी अधिक होता है। नए बजट के तहत आयकर से संबंधित विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जा सकती है। मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 2.5 लाख से तीन लाख की छूट दी जा सकती है। इसी तरह इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ाया जा सकता है। 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट बढ़ सकती है ताकि टैक्पेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों। इसके साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाई जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। वहीं पीपीएफ में योगदान की वार्षिक सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जा सकता है। निःसंदेह देश में कर सुधारों से आयकर संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है। लेकिन अभी आयकर के दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। जहां वर्ष 2024-25 के बजट से आयकर राहत दी जा सकती है, वहीं बजट में आयकर के दायरे का विस्तार करने की नई रणनीति का ऐलान संभव है। महत्वपूर्ण यह भी कि बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में करीब 24 लाख लोगों ने 10 लाख रुपये से ज्यादा महंगी कारें खरीदी, करीब 25 लाख लोगों ने 50 लाख रुपये से अधिक कीमत के महंगे घर खरीदे वहीं वर्ष 2022 में देश के करीब 2.16 करोड़ लोगों ने पर्यटन के मद्देनजर विदेश यात्राएं कीं। जाहिर है पर्याप्त कमाई के कारण ही ये खरीदियां और विदेश यात्राएं संभव हैं। लेकिन ऊंची कमाई करके भी बड़ी संख्या में लोग आयकर नहीं देना चाहते। बता दें कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 2.79 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। यानी देश की आबादी के 1.97 फीसदी लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में आयकर का पूरा बोझ दो फीसदी से भी कम आबादी द्वारा उठाया जा रहा है। साथ ही देश में कुल आयकर रिटर्न के करीब 70 फीसदी आयकर रिटर्न शून्य आयकर देयता बताते हुए दिखाई दिए हैं। ऐसे में देश में आयकर संग्रहण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आकार की तुलना में महज 11.7 फीसदी ही है। जबकि यह जर्मनी में 38 फीसदी, जापान में 31 फीसदी, ब्रिटेन में 25 फीसदी, अमेरिका में 25 फीसदी और चीन में 18 फीसदी है। वहीं अमेरिका की 60 फीसदी और ब्रिटेन की 55 फीसदी आबादी आयकर चुकाती है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संगृहीत किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। उम्मीद करें कि इस बार वित्तमंत्री नए बजट से ऐसे लोगों को चिन्हित करने की नई रणनीति के साथ दिखाई देंगी, जिससे वास्तविक आमदनी का सही मूल्यांकन हो सके, लोगों के वित्तीय लेनदेन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही जो वास्तविक कमाई से कम पर आयकर देते हैं, उन्हें भी चिन्हित करके अपेक्षित आयकर चुकाने के लिए बाध्य किया जा सके। निश्चित रूप से इससे देश में टैक्स संग्रहण बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

बड़ी पुरानी है ड्रेस कोड की सियासत

(लेखक - राकेश अचल)

7 देश के शिक्षण संस्थानों में ड्रेस कोड की सियासत बहुत पुरानी है। मध्यप्रदेश में डॉ मोहन यादव की सरकार ने भी एक बार फिर से ड्रेस कोड का राग अलापना शुरू कर दिया है। मुमकिन है कि मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में आने वाले दिनों में रंग-बिरंगी यूनिफार्म पहने छात्र-छात्राएं नहीं दिखाई दें और न ही कोई हिजाब या पगड़ी पहनकर कालेज आ सकेगा। सभी कालेजों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से सरकार ड्रेसकोड लागू करने पर विचार कर रही है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का हवाला देकर उच्चशिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने उच्चशिक्षा विभाग को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों में ड्रेसकोड लागू करने की नीति और प्रस्ताव प्रस्तुत करें। ड्रेस कोड केवल शिक्षण संस्थाओं में ही नहीं बल्कि तमाम सैन्य और अर्ध सैन्य संगठनों ,में भी प्रमुखता से लागू होता है। अब तो समाजिक ही नहीं धार्मिक संगठनों तक ने अपने-अपने ड्रेस कोड बना रखे हैं। हमारे यहां प्राचीन गुरुकुलों में भी ड्रेस कोड लागू था। लेकिन आधुनिक संसार में ड्रेस कोड अंग्रेजों की देन है। शैक्षणिक संगठनों में ड्रेस कोड की प्रथा इंग्लैंड में 16वीं शताब्दी से शुरू हुई थी. तब छात्रों को एक ड्रेस कोड दिया जाता था . जिसमें एक लंबा नीला कोट और पीला ट्राउजर और घुटने तक ऊंचे मोजे होते थे. वहां के चैरिटी स्कूलों में जहां अक्सर गरीब बच्चों के लिए यूनिफॉर्म स्कूल से दी जाती थी. स्कूल यूनिफॉर्म पहनने की प्रथा को कई अन्य देशों ने भी अपनाया हैं. ठीक इसी तरह भारत में भी बेसिक स्कूलों में एक ड्रेस कोड लागू किया गया. जो वर्ष 1852 में प्रभावी तौर पर उत्तर प्रदेश के 5 जिलों में लागू हुआ था। ड्रेस कोड को लेकर जब राजनीति होती है तब समस्याएं खड़ी होतीं है। ड्रेस कोड में हिन्दू- मुसलमान होने लगता है तब और ज्यादा समस्या होती है। ड्रेस कोड सरकारों का नहीं बल्कि शैक्षणिक संस्थानों का विषय होना चाहिए ,लेकिन देश में जब से साम्प्रदायिकता की राजनीति शुरू हुई है तभी से ड्रेस कोड विवादास्पद हो गया है । ड्रेस कोड लागू करने के पीछे धर्म विशेष के लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने की मंशा सबसे बड़ी समस्या है। मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय के पीछे भी इसी तरह की मानसिकता की आहट सुनाई देती है। दरअसल देश के शैक्षणिक संस्थानों को ड्रेस कोड से ज्यादा जरूरत शैक्षणिक वातावरण में सुधर लाने की है ,लेकिन इस दिशा में कोई,कुछ करने को तैयार नहीं है । मध्यप्रदेश तो उन राज्यों में से है जहाँ शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण सबसे ज्यादा दूषित है। मध्यप्रदेश में तो शैक्षिणक संस्थानों में शिक्षकों की हत्याएं तक हो चुकी हैं और आज के सत्तारूढ़ दल के प्रमुख ऐसे मामलों में आरोपी भी रह चुके हैं ,ये बात अलग है कि उन्हें बाद में अदालत ने बड़ी कर दिया। मै प्रोफेसर सबरबाल हत्याकांड की बात कर रहा हूँ। 2006 में उज्जैन के माधव कॉलेज के प्रोफेसर सब्बरवाल से छात्रसंघ चुनावों के दौरान कुछ लोगों ने मारपीट की थी, जिसके बाद उनकी की मौत हो गई थी। इस मामले में एबीवीपी के शशिरंजन अकेला प्रमुख आरोपी थे।

ड्रेस कोड वैसे कोई बुरी बात नहीं है। ,लेकिन इसे जबरन थोपना बहुत बुरी बात है। ड्रेस कोड में उतनी शिथिलता दी जाना चाइये जितनी कि सेना में मिलती है। सेना में भारत में ही नहीं बल्कि इंग्लैंड,अमेरिका और कनाडा में भी इस बात की रियायत है कि लोग अपनी धार्मिक पहचान रखते हुए ड्रेस कोड का पालन करें । पुलिस में भी ये छूट है ,फिर शैक्षणिक संस्थानों में ये छूट देने में सियासत क्यों की जाती है ?,ये समझ से परे हैं। पिछले वर्षों में ड्रेस कोड को लेकर आपको कर्नाटक के दृश्य याद होंगे जहाँ कुछ हिन्दू संगठनों ने हिजाब पहनकर कालेज जाने वाली लड़कियों के साथ कितनी बदसलूकी की थी ? आप मुसलमानों के हिजाब ,सिखों की पगड़ी के रंग को ड्रेस कोड में शामिल कर सकते हैं लेकिन उन्हें प्रतिबंधित नहीं कर सकते। लेकिन मध्यप्रदेश में एक बार फिर कर्नाटक में हुई गलती का अनुशरण किया जा रहा है ,ये दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा संगठन और भाजपा की सिंगल और डबल इंजिन सरकारों की ये कमजोरी है कि वे हर क्षेत्र का भगवाकरण करना चाहतीं है। रंगों का रंग वे बदल चुके है। खिलाडियों की जर्सी में भगवा कहें या केसरिया रंग शामिल किया जा चुका है। और तो और सरकारी साइन बोर्डों और सरकारी विज्ञापनों का रंग भी भगवा किया जा चुका है। भगवा रंग हो या केसरिया रंग बुरा नहीं है किन्तु जिस मानसिकता से से इन रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है वो घातक है। भाजपा को हरे रंग से चिढ है क्योंकि ये रंग मुस्लिमों को प्रिय है। मजे की बात ये है कि हरियाली के प्रतीक इस हरे रंग को भाजपा ने अपने झंडे में शामिल किया हुआ है। रंगों को साम्प्रदायिकता से मुक्त रखने की जरूरत है और ड्रेस कोड को भी। मप्र में भवन विहीन स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा है। प्रदेश में करीब 1 लाख 20 हजार सरकारी स्कूल हैं। मूलभूत सुविधाओं में मप्र के स्कूल 17वें स्थान पर मध्य प्रदेश के 67 हजार प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में बिजली कनेक्शन तो 50 हजार में चारदीवारी नहीं है। 1900 स्कूलों का अपना भवन ही नहीं है। करीब 6 हजार स्कूल एक-दो कमरों में चल रहे हैं। इसका खुलासा मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने फरवरी में एक परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में किया था। इसमें मप्र के स्कूलों को ग्रेड-2 में रखा गया था और मूलभूत सुविधाओं में देश में 17वें स्थान पर था। गोवा पहले, चंडीगढ़ दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर था।लेकिन जोर दिया जा रहा है ड्रेस कोड पर।

मध्यप्रदेश में शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड लागू करने से ज्यादा जरूरी भवन विहीन शैक्षणिक संस्थानों को भवन,स्टाफ उपलब्ध करना है। सरकार इस दिशा में पहल करे तो उसका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा ,लेकिन सरकार को स्वागतयोग्य कोई काम करना ही नहीं है। सरकार का खुला एजेंडा साम्प्रदायिकता के आधार पर निर्णय करना है। मप्र में भी उत्तर प्रदेश की नकल की जा रही है । मप्र ने ऊपर से बुलडोजर संस्कृति सीखी । मदरसों पर हमला करना ,उन्हें बंद करना या उनमें घुसपैठ करना भी उत्तर प्रदेश से सीखा है। जबकि मप्र को कुछ ऐसी पहल करना चाहिए कि दूसरे सूबे मध्यप्रदेश की नकल करें। मप्र के मुख्यमंत्री पढ़े -लिखे हैं। पीएचडी उपाधि धारक हैं। वे दूसरे मुख्यमंत्रियों की तरह बाबा नहीं हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे कुछ ऐसा करेंगे जो मप्र में उमा भारती,बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह नहीं कर पाए। ड्रेस कोड के मुद्दे पर मै अल्पसंख्यक नेताओं से ही कहना चाहूंगा कि वे सरकार के इस निर्णय पर अपनी प्रतिष्ठा दांव पर न लगाएं। कोशिश करें की ड्रेस कोड लागू करने में कोई अड़चन न हो। बीच का रास्ता निकल जाए ताकि शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण न बिगड़े। प्रदेश सरकार को भी इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाना चाहिए।

विचार मंथन

25 जून संविधान बचाओ या हत्या दिवस?

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करते हुए, अधिसूचना जारी की है। गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर गजट नोटिफिकेशन की जानकारी देकर, नए विवाद को जन्म दिया है। 2024 का लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन ने संविधान बचाओ के तौर पर लड़ा था। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दलों ने संविधान बचाओ को लेकर मतदाताओं से वोट मांगे थे। वहीं भारतीय जनता पार्टी के कई सांसदों और विचारकों द्वारा संविधान में संशोधन करने के लिए 400 सीटों का नारा दिया था। चुनाव के पहले ही नेशनल अखबारों में संविधान में परिवर्तन करने के लिए बड़े-बड़े लेख छापे गए थे। भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने चुनाव अभियान में 400 पार का नारा दिया था। भारतीय जनता पार्टी को इस चुनाव में 242 सीट और एनडीए गठबंधन को 293 सीट मिली हैं। भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत के लिए 272 सीटें हासिल नहीं हुई हैं। चुनाव परिणाम के बाद संसद सदस्यों के शपथ ग्रहण में जिस तरह से इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर सदन में संविधान की शपथ ली। उसके बाद से ही यह मामला तूल पकड़ने लगा था। लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हो जाने के बाद जो पहला प्रस्ताव पारित किया गया, वह आपातकाल की निंदा को लेकर था। उसके बाद राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ। उसमें भी आपातकाल का उल्लेख किया गया। उसके बाद से स्पष्ट होने लगा था, संविधान का जवाब आपातकाल से देकर कांग्रेस पार्टी को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच में जो आपातकाल के दौरान जेल में थे, वो आज इंडिया गठबंधन में शामिल हैं। उनके बीच में फूट डालने के लिए आपातकाल को निशाना बनाया गया है। इंदिरा गांधी ने 1975 में जो आपातकाल लगाया था। संविधान में आपातकाल लगाने का अधिकार सरकार को था। उस समय की संसद ने इसे बहुमत से पास किया था। जब तक आपातकाल लगा था। तभी तक आपातकाल के विशेष अधिकार सरकार को मिले हुए थे। संविधान में अभी भी तीन किस्म के आपातकाल लगाए जा सकते हैं। सीमा पार से युद्ध की आशंका हो। आंतरिक गृह युद्ध की स्थिति हो, अथवा आर्थिक कारणों से वर्तमान में भी आपातकाल लगाया जा सकता है। जैसे ही आपातकाल खत्म हुआ। वैसे ही फिर से सारे संवैधानिक अधिकार मूल स्वरूप में वापस आ गए थे। अभी अघोषित आपातकाल की बात हो रही है। सबसे पहले पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने 2016 में अघोषित आपातकाल की बात कही थी। पिछले वर्षों में जिस तरह से संवैधानिक प्रावधानों की अवहेलना की जा रही है। विपक्षी दलों को आरोपों के आधार पर कई महीनों और वर्षों तक जेल में रखा जा रहा है। ईड़ी के विशेष कानूनी प्रावधान तस्करों और आतंकवादियों के लिए बनाये गये थे। उसका उपयोग विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद करके रखने के लिए किया जा रहा है। वर्तमान सरकार भी संविधान में लगातार संशोधन कर रही है। जिन संशोधन को सदन में बहुमत से अनुमति मिल जाती है, वे कानूनी रूप से लागू हो जाते हैं। उसका पालन आम जनता, कार्यपालिका और न्यायपालिका को करना पड़ता है। संविधान 1975 में भी खत्म नहीं हुआ था। संविधान 2024 में भी खत्म नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करना एक तरह से संविधान का मजाक उड़ाना है। संविधान अभी भी अस्तित्व में है। हत्या का मतलब होता है, संविधान के वजूद का खत्म हो जाना। संविधान की रक्षा करने का दायित्व न्यायपालिका का है। संविधान के जो प्रावधान हैं। विधायिका या कार्यपालिका जब संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत जाकर कानून बनाती है। कार्यपालिका संविधान में प्रदत्त मूलभूत अधिकारों की अनदेखी कर मनमानी करती है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका का दायित्व है, कि वह संविधान की रक्षा करें। न्यायपालिका के आदेश को सभी को मानना पड़ता है। संविधान पहले भी था। संविधान अब भी है। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों और कुछ नेताओं द्वारा संविधान में आमूल-चूल परिवर्तन करने की मुहिम लोकसभा 2024 चुनाव के पहले चलाई गई थी। 400 पार का नारा संविधान में संशोधन करना है, इसीलिए दिया गया था। चुनाव के दौरान जब विपक्ष ने इसको मुद्दा बनाया। तब भारतीय जनता पार्टी को अपनी गलती समझ में आई। और उन्होंने संविधान की रक्षा करने की बात कही। संविधान में परिवर्तन करने का अधिकार भाजपा को मिले। जनता ने इसे स्वीकार नहीं किया। चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मात्र 240 सीटों पर जीत मिली। जिस तरह की चुनौती अब भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को मिल रही है। 23 जुलाई से बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, कि संविधान हत्या दिवस घोषित करके पक्ष और विपक्ष के बीच में एक नया विवाद सुनयोजित रणनीति के रूप में शुरू किया गया है। भाजपा को लोकसभा चुनाव में जिस तरह से राम मंदिर निर्माण का कोई लाभ नहीं मिला।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच जुलाई को समाप्त सप्ताह में 5.16 अरब डॉलर उछलकर 657.16 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 1.71 अरब डॉलर घटकर 651.99 अरब डॉलर रहा था। इस वर्ष सात जून को विदेशी मुद्रा भंडार 655.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक पांच जुलाई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.23 अरब डॉलर बढ़कर 577.11 अरब डॉलर हो गयी। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 90.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 57.43 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.04 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर बढ़कर 4.58 अरब डॉलर हो गई।

बजट से पहले नेट डायरेक्ट कलेक्शन 19.54 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में अब तक नेट डायरेक्ट कलेक्शन 19.54 प्रतिशत बढ़कर 5.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। कॉरपोरेट कंपनियों की तरफ से अधिक एडवांस टैक्स के भुगतान के कारण इसमें वृद्धि हुई है। अग्रिम कर की पहली किस्त 15 जून तक 27.34 प्रतिशत बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपए हो गई। इसमें 1.14 लाख करोड़ रुपए का कॉर्पोरेशन इनकम टैक्स और 34,470 करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर शामिल है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की तरफ से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई, 2024 तक 5,74,357 करोड़ रुपए के नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 2,10,274 करोड़ रुपए का सीआईटी और 3,46,036 करोड़ रुपए का पीआईटी शामिल है। वहीं सिक्योरिटीज ट्रांसकेशन टैक्स ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 16,634 करोड़ रुपए का योगदान दिया। गौरतलब है कि पिछले साल इसी अवधि में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 4,80,458 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में 11 जुलाई तक 70,902 करोड़ रुपए के रिफंड भी जारी किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी किए गए रिफंड से 64.4 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जुलाई 11 के दौरान डायरेक्ट टैक्स का ग्रॉस कलेक्शन एक साल पहले की अवधि में 5.23 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 6.45 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 23.24 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है।

एचसीएल का मुनाफा 20 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । देश की तीसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी एचसीएल टेक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपना राजस्व अनुमान 3 से 5 फीसदी पर बरकरार रखा है। नोएडा मुख्यालय की दिग्गज आईटी सेवा कंपनी का वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मुनाफा 4,257 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले के मुकाबले 20.4 फीसदी और तिमाही आधार पर 6.8 फीसदी का इजाफा है। तिमाही के दौरान राजस्व एक साल पहले के मुकाबले 6.7 फीसदी बढ़कर 28,057 करोड़ रुपये रहा जबकि तिमाही आधार पर राजस्व में 1.6 फीसदी की वृद्धि हुई। एचसीएल टेक का पहली तिमाही में प्रदर्शन ब्लूमबर्ग के अनुमानों के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा है। ब्लूमबर्ग ने कंपनी का राजस्व 28,024 करोड़ रुपये और मुनाफा 3,845 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया था। पहली तिमाही में कंपनी का कुल सौदा मूल्य (टीसीवी) 1.96 अरब डॉलर रहा है। ले किन बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के मुकाबले टीसीवी में 14 फीसदी की गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में टीसीवी 2.29 अरब डॉलर था।

सब्जियों और फलों के भाव आसमान पर

लहसुन 300 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

बरसात और बदलते मौसम के कारण सब्जी व फलों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसकी वजह से लोगों को रसोई चलाना मुश्किल हो गया है। जानकारी के अनुसार सिरसा में प्याज के दामरें60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं, जबकि लहसुन की कीमत 300 रुपये किलो से अधिक है। इसके अलावा हरी सब्जियों के दामों में भी इजाफा देखने को मिला है। दरअसल, मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण सब्जियों के दाम और भी बढ़ सकते हैं। सब्जी दुकानदारों का कहना है कि दाम बढ़ जाने के कारण खरीददारी में कमी आई है। अगर बारिश ऐसे ही होती रही तो तो अगले कुछ और दिनों तक सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है। सिरसा की सब्जी मंडी में इस समय प्याज 60 से 70 रुपये किलो, टमाटर 70 रुपये किलो, आलू 40 रुपये किलो, लहसुन 300 रुपये किलो, खीरा 60 रुपये किलो, अरबी 80 रुपये किलो, नींबू 150 रुपये किलो तक बिक रहा है। बारिश की वजह से सब्जियों के दामों में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। सब्जियों और फल के दामों में आए उछाल के कारण आम जनता को अपनी जेब काफी ढीली करनी पड़ रही है। सिरसा की सब्जी मंडी में आने वाले ग्राहकों का मानना है कि पहले के मुकाबले रोजाना अब सब्जियों

और फलों के दामों में बढ़ोतरी हो रही है, जिस वजह से वह पहले के मुकाबले अब कम ही सब्जियां और फल खरीद पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर एक सब्जी और फल के लिए दोगुना रेट देना पड़ रहा है।

इरेडा का मुनाफा बढ़कर 383.69 करोड़ पर

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 30 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 383.69 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसे 294.58 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इरेडा की परिचालन आय अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 1,501.71 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,143.50 करोड़ रुपये थी। हरित वित्त पोषण से जुड़ी देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इरेडा ने कहा कि तिमाही खत्म होने के केवल 12 दिनों के भीतर ऑडिट वित्तीय परिणाम को प्रकाशित कर उसने उद्योग के लिए नया मानक स्थापित किया है। कंपनी की गैर-निष्पादित परिसंपत्ति वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में घटकर 0.95 प्रतिशत रही। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 1.61 प्रतिशत थी। कंपनी की संपत्ति 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 44.83 प्रतिशत बढ़कर 9,110.19 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6,290.40 करोड़ रुपये थी।

जियो फाइनेंशियल को कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी बनने मिली मंजूरी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की फाइनेंशियल सर्विसेज आर्म जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) से कोर इनवेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) में बदलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। नवंबर में जियो फाइनेंशियल ने सीआईसी बनने के लिए आवेदन किया था. यह कदम तब उठाया गया था, जब रिजर्व बैंक ने जियो फाइनेंशियल के रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग होने और इसके शेयरहोल्डिंग पैटर्न में बदलाव के बाद कनवर्जन का निर्देश दिया था। कोर इनवेस्टमेंट कंपनी एक ऐसी होल्डिंग एंटिटी के रूप में काम करती है, जो मुख्य रूप से अपने ग्रुप की कंपनियों के शेयरों और सिक्योरिटी को मैनेज करती है। इस बदलाव के साथ जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अपने अलग-अलग बिजनेस वर्टिकल को स्ट्रीमलाइन कर सकती है, जिनमें अलग-अलग एंटिटीज के तहत लेंडिंग, एसेट मैनेजमेंट, इंश्योरेंस आदि शामिल हैं। ट्रेडिशनल एनबीएफसी के विपरीत, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की सहायक कंपनियां पेरोल और इंश्योरेंस से लेकर एसेट मैनेजमेंट और लेंडिंग तक अलग-अलग काम करती हैं। यह विविधता प्योर-प्ले एनबीएफसी के लिए परिभाषित कैटेगरीज के अनुरूप नहीं है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी तेजी रही

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों की लंबी खरीदारी, मानसून की अच्छी प्रगति, कंपनी के नतीजों की बेहतर शुरुआत के कारण बेंचमार्क इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस सप्ताह बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो एशियाई बाजारों में कमजोरी के भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सोमवार को कमजोरी के साथ खुले। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के कमजोर होने से बाजार नीचे फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट के साथ 79,829 के स्तर पर खुला और 36.22 अंक टूटकर 79,960.38 पर बंद हुआ। निफ्टी 24 अंक टूटकर 24,300 पर खुला और 3.30 अंकों की गिरावट के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 178.97 अंकों की बढ़त के साथ 80,126.41 पर खुला और 391.26 अंक चढ़कर 80,351.64 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 46.41 अंक चढ़कर 24,366.95 पर खुला और 112.65 अंक की बढ़त के साथ 24,433.20 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। शेयर बाजार बुधवार सुबह गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स

शुरुआती कारोबार में 207.47 अंक गिरकर 80,144 अंक पर खुला और 426.87 अंक की गिरावट के साथ 79,924.77 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 49.6 अंक फिसलकर 24,383 अंक पर खुला और 108.75 अंक की गिरावट के साथ 24,324.45 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गुरुवार को सुबह के कारोबार में जबरदस्त बढ़त देखी गई। जहां सेंसेक्स शुरुआत में ही 245 अंकों की बढ़त के साथ 80,170 पर खुला और 27.43 अंकों की गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 79,897.34 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 78 अंकों की बढ़त के साथ 24,402 पर खुला और 8.50 अंक की गिरावट के साथ 24,315 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी तेजी देखी गई। बीएसई सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 622 अंक चढ़कर 80,519 पर बंद हुआ। निफ्टी 276.25 अंक उछलकर 24,592.20 के नए सर्वकालिक शिखर पर खुला और 186 अंक चढ़कर 24,502 पर बंद हुआ।

अदाणी के विझिंजम बंदरगाह पर 20,000 करोड़ के निवेश की तैयारी

- बंदरगाह वर्ष 2028 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर 2028 तक कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी हो गई है। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने परीक्षण के तौर पर इस बंदरगाह की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इस बंदरगाह के शेष चरण के लिए कार्य इसी साल अक्टूबर में शुरू होने की उम्मीद है। यह भारत का पहला ट्रांसशिपमेंट केंद्र और गहरे समुद्र में पहला कंटेनर टर्मिनल है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना में एपीएसईजेड 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी मेयर्स्क के जहाज एमवी सैन फर्नांडो के इस बंदरगाह पर पहुंचने के बाद इस बंदरगाह का औपचारिक तौर पर परिचालन शुरू हो गया। केरल सरकार के अनुसार इस परियोजना का पहला चरण दिसंबर 2024 में चालू होना था, मगर अब वह कुछ महीने पहले सितंबर में ही चालू हो जाएगा। इस परियोजना के दूसरे से लेकर चौथे चरण के दिसंबर, 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। अदाणी ने कहा कि परियोजना के चारों चरण वर्ष 2028-29 तक पूरे हो जाएंगे। तब तक केरल सरकार और अदाणी समूह विझिंजम बंदरगाह में कुल 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी का शानदार उदाहरण है। अदाणी ने बताया, इस परियोजना के मास्टर प्लान के लिए जन सुनवाई पूरी हो चुकी है। मैं विझिंजम के लोगों के जबरदस्त समर्थन से अभिभूत हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पर्यावरण एवं अन्य नियामकीय मंजूरियां मिलते ही अदाणी समूह इस बंदरगाह के अन्य चरणों के कार्य तत्काल शुरू करेगा। यह इस साल अक्टूबर में ही शुरू हो सकता है। अदाणी समूह ने संकेत दिया कि पहले चरण के कार्य दिसंबर से काफी पहले पूरे हो जाएंगे।

ओला नेविगेशन के लिए लेकर आई खुद का मैप

-गूगल के मैप्स को बोला बॉय-बॉय

नई दिल्ली। ओला कंपनी नेविगेशन के लिए अब खुद का मैप लेकर आई है। मैप पर पूरी तरह से शिफ्ट होने के बाद कंपनी नेविगेशन के लिए गूगल मैप्स का सहारा नहीं लेगी। ये कंपनी की खुद की डेवलपमेंट होगी। ओला के को- फाउंडर भविश अग्रवाल ने ट्विटर पर कहा कि, पिछले महीने अझूरे से बाहर निकलने के बाद, अब हम गूगल मैप्स से पूरी तरह से बाहर निकल चुके हैं। हम सालाना 100 करोड़ रुपये खर्च करते थे, लेकिन हमने इस महीने पूरी तरह से अपने इन-हाउस ओला मैप्स पर जाकर उसे 0 कर दिया है! अपना ओएलए ऐप चेक करें और ज़रूरत पड़ने पर अपडेट करें। भाविश अग्रवाल ने अपने एक पोस्ट में कहा है कि जो लोग यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि हमने ओला मैप्स में क्या बनाया है और हमने ओपन सोर्स कम्यूनिटी से क्या लाभ उठाया है, उनके लिए इस सप्ताहांत में एक डिटेल्ड तकनीकी ब्लॉग पब्लिश किया जाएगा। आशा है कि आप सभी इसे पढ़कर आनंद लेंगे! वहीं, 11 मई को भविश अग्रवाल ने एक्स पर लिखा था कि एक सप्ताह के भीतर मैप और नेविगेशन की जरूरत को पूरा काने में फर्म की एआई कृत्रिम पूरी तरह से सक्षम हो जाएगी। इसके साथ ही क्रूट्रिम एआई समय कहा गया था कि यह क्लाउड सेवाओं के भीतर मैपिंग समस्या को बेहतर करेगी।

खाने-पीने की वस्तुएं महंगी होने से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी

- मई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक बढ़कर 5.9 फीसदी पर

नई दिल्ली ।

खाने-पीने की वस्तुओं के दाम एकाएक बढ़ने से जून में यह भी खुदरा मुद्रास्फी ति में तेजी देखी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर चलने वाली यह महंगाई जून में 5.08 फीसदी पर पहुंच गई, जो चार महीने में इसका सबसे ऊंचा आंकड़ा है। मगर महंगाई की चोट पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों ने कुछ मरहम लगाया है। मई में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) बढ़कर 5.9 फीसदी पर पहुंच गया, जो 7 महीने में इसका सबसे ऊंचा आंकड़ा रहा। इससे पहले अप्रैल का आईआईपी आंकड़ा घटाकर 5.4 फीसदी कर दिया गया था। आईआईपी का पिछला उच्च स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 फीसदी था। राष्ट्रीय सां ख्यिकी कार्यालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक जून में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 9.36 फीसदी हो गई, जो मई में 8.69 फीसदी ही थी। इसका कारण अनाज के दामों में 8.75 फीसदी, फलों में 7.15 फीसदी और सब्जियों के भाव में 29.32 तेजी आना रहा। हालांकि दालों के भाव 16.07 फीसदी ही बढ़े, जो मई के मुकाबले कम वृद्धि है मगर अब भी इनके भाव में इजाफा दो अंकों में हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि खुदरा मुद्रास्फीति अब भी 4 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर है और ब्याज दरों में कटौती की बात करना अभी जल्दबाजी होगी। मई में खुदरा मुद्रास्फीति 4.7 फीसदी रही थी। तमाम सर्वेक्षणों के मुताबिक जून में यह 5 फीसदी के करीब रह सकती है। इसलिए जब मुद्रास्फीति 5 फीसदी है और हमारा लक्ष्य उसे 4 फीसदी पर लाने का है तो मुझे लगता है कि ब्याज दरों में कटौती पर बात करने का अभी कोई मतलब नहीं है। वहीं विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 4.6 फीसदी और

बिजली का उत्पादन 13.7 फीसदी बढ़ा। मगर खनन क्षेत्र के उत्पादन में थोड़ी सुस्ती दिखी। मई में पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 2.5 फीसदी रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 8.1 फीसदी थी। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का उत्पादन मई 2024 में 12.3 फीसदी बढ़ा, जबकि मई 2023 में इसमें 1.5 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

सुजलॉन एनर्जी ने पिछले 5 सालों में निवेशकों को दिया छप्परफाड़ रिटर्न

सुजलान के शेयर ने 1 लाख के बना दिए 11 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

एनर्जी सेक्टर के शेयरों में इन दिनों तेजी दिखाई दे रही है। 99 फीसदी तक टूटने के बाद सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले 5 सालों में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। गौरतलब है कि 11 जनवरी 2008 को कंपनी के शेयर 398 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, लेकिन 27 मार्च 2020 को ये शेयर टूटकर 1.72 रुपये पर पहुंच गया था। हालांकि 5 साल की अवधि में सुजलॉन एनर्जी के शेयर में अच्छी रिकवरी दिखी है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 12 जुलाई 2019 को 4.55 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, जबकि 12 जुलाई 2024 को यह 54.68 रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान शेयर ने निवेशकों को 1,101.76 फीसदी का रिटर्न देकर मालामाल कर दिया। मान लीजिए की किसी व्यक्ति ने 12 जुलाई 2019 को इस शेयर में 1,00,000 रुपये लगाए होते, तो मौजूदा समय में इसके शेयरों की कीमत 11,01,000 रुपये हो गई होती। इस कंपनी के शेयरों ने एक साल में 211 फीसदी से भी ज्यादा का मुनाफा दिया है। 12 जुलाई 2023 को कंपनी के शेयर 18 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, वहीं, 12 जुलाई 2024 को शेयर के दाम 54.68 रुपये पर पहुंच गए। इस दौरान कंपनी के शेयरों में 211.57 फीसदी की तेजी दिखी। पिछले एक महीने में सुजलॉन एनर्जी ने शेयर ने 9.65 फीसदी का रिटर्न दिया है। 1995 में अपनी स्थापना के बाद से, सुजलॉन ने दुनिया भर में तेजी से अपना विस्तार किया है और तकनीकी और इनोवेशन के माध्यम से अपनी पहचान बनाई है।

निजी कंपनियों के टैरिफ बढ़ने से फिर चमकी बीएसएनएल की किस्मत

- लाखों लोग अपनी सिम को बी.एस.एन.एल. में करवा रहे हैं पोर्ट

नई दिल्ली ।

देश में एक समय था जबजब भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल.) का सिम लेने के लिए लंबी कतारें लगा करतीं थी, उसके बाद निजी कंपे नियों के बाजार में आने से बी.एस.एन.एल. इनके आगे बौना साबित हो गया और इस ग्राहकों ने अपने मोबाइल नंबर निजी टेलीकॉम ऑपरेटर को पोर्ट करा दिए। दरअसल सरकार की नीतियों के चलते यह निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा ही नहीं कर पाया। अलबत्ता अब बी.एस.एन.एल. के पास कमाई का एक और मौका हाथ लगा है जब देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां, जियो, एयरटेल और वी.आई. (वोडाफोन), ने इसी महीने से अपने बढ़े हुए टैरिफ लागू कर दिए। टैरिफ में बढ़ोतरी इतनी ज्यादा है कि लाखों लोग सस्ते प्लान के लिए अपने सिम बी.एस.एन.एल. में पोर्ट करवा रहे हैं। जियो और एयरटेल के बढ़े हुए दाम 3 जुलाई से लागू हो गए, जबकि वी.आई. के दाम 4 जुलाई से लागू हुए हैं। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी जियो ने की है, जिसने अपने प्लान के दाम 12 से 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। एयरटेल ने 11 से 21 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जबकि वी.आई. ने 10 से 21 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए हैं। इस वृद्धि से सबसे ज्यादा नाराजगी जियो को लेकर है, जिसके कारण लोग अब बी.एस.एन.एल. की तरफ रुख कर रहे हैं। बी.एस.एन.एल. नए प्लान पेश करके और अपने मौजूदा प्लान में अतिरिक्त लाभ देकर इस स्थिति का फायदा उठा रहा है। राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी अगले महीने देश भर में अपनी 4 जी सेवाएं भी लॉन्च कर सकती है। बी.एस.एन.एल. के पास उपयोगकर्ताओं के लिए कई किफायती प्लान्स पहले से मौजूद हैं। अगर कम पैसों में लंबी वैधता वाला रिचार्ज करवाना है, तो 397 रुपये वाला प्लान सही रहेगा। इसमें 150 दिन की वैधता मिलेगी।

पेटीएम में सॉफ्ट बैंक की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम

नई दिल्ली ।

पेटीएम की खस्ता हालत की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी निवेशक सॉफ्ट बैंक ने भी अपनी हिस्सेदारी घटा दी है। पेटीएम में सॉफ्ट बैंक की हिस्सेदारी 18 फीसदी हुआ करती थी, जो अब घटकर 1 फीसदी से भी कम रह गई है. जापानी इन्वेस्टमेंट फर्म सॉफ्टबैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को एक फाइलिंग में बताया कि भारतीय फिनटेक कंपनी पेटीएम में उसकी हिस्सेदारी 1 फीसदी से भी कम है। मासायोशी सोन के नेतृत्व वाली जापानी निवेश दिग्गज पेटीएम में अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है। कंपनी ने पेटीएम में 1 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया था और 2021 में आईपीओ के समय फर्म में लगभग 18 फीसदी हिस्सेदारी रखी थी। इस साल मार्च के अंत तक पेटीएम में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी घटकर 1.4 प्रतिशत रह गई थी। सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी में कमी के बाद कंपनी में कुल एफडीआई हिस्सेदारी 2 फीसदी घटकर 37.7

फीसदी रह गई। पेटीएम ने कहा कि जून तिमाही में म्यूचुअल फंड और खुदरा शेयरधारकों सहित घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी में वृद्धि देखी गई है। पेटीएम के अनुसार, खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी क्रमिक रूप से 15.3 फीसदी से बढ़कर 16.5 फीसदी हो गई, जबकि म्यूचुअल फंड ने अपनी हिस्सेदारी पहली तिमाही के वित्त वर्ष 25 में चौथी तिमाही के वित्त वष् 24 के 6.1 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दी, जिसका नेतृत्व मिराए म्यूचुअल फंड और निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने किया।

भारत ने जिमबाब्वे को 10 विकेट से हराया

- जयसवाल शतक नहीं बना पाए

हरारे (एजेंसी)। टीम इंडिया ने आखिरकार यंग कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में जिमबाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय लीड हासिल कर ली है। हरारे के मैदान पर खेले गए चौथे टी20 में भारतीय टीम को यशस्वी जयसवाल के 93 और शुभमन गिल के 58 रनों की बदौलत 10 विकेट से जीत हाथ लगी। भारत इसी के साथ पिछले 15 सालों से जिमबाब्वे के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में अजेय बना हुआ है। मुकाबले में पहले खेलते हुए जिमबाब्वे ने सिकंदर रजा के 28 गेंदों पर 2 चौके और तीन छक्कों की मदद से बनाए गए 46 रन की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए थे। जवाब में गेंदबाजी करते हुए जिमबाब्वे के गेंदबाज एक भी विकेट नहीं निकाल पाए और 15.1 ओवर में ही मुकाबला गंवा दिया।

पहले खेलने उतरे जिमबाब्वे ने वेस्ली मधेवेरे और तादिवानाशे मारुमनी की बदौलत सधी हुई शुरूआत की। खलील अहमद और रवि बिश्नोई की गेंदों पर दोनों बैकफुट पर दिखे। मैच में तुषार देशपांडे ने भारत के लिए डैब्यू किया लेकिन उन्होंने पहली दो ओवर में 21 रन दे दिए। जिमबाब्वे का पहला विकेट 63 रन पर गिरा जब मारुमनि को अभिषेक शर्मा ने रिंकू सिंह के हाथों कैच आऊट कराया। मारुमनि ने 31 गेंदों पर 32 रन बनाए।

कप्तान शुभमन ने मैच में शिवम दुबे को मौका दिया। जोकि 10वें ओवर में वेस्ले का विकेट निकालने में सफल रहे। दुबे की गेंद को वेस्ले ने पुल मारना चाहा था लेकिन टॉप एज के कारण गेंद ऊपर उठ गई। रिंकू ने कैच पकड़ा। वेस्ले ने 24 गेंदों पर 25 रन बनाए। भारत को तीसरी विकेट 14वें ओवर में मिली जब ब्रियान बेनेट को वाशिंगटन सुंदर ने 9 रन पर जयसवाल के हाथों कैच आऊट करवा दिया। तब जिमबाब्वे का स्कोर 93-3 रन ही था।

जिमबाब्वे के लिए बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सिकंदर रजा पॉजीटिव दिखे। उन्होंने विकेट के चारों ओर शॉट लगाए और जिमबाब्वे को 141 रन तक ले गए। हालांकि इससे पहले जोनाथन कैम्बेल 3 रन बनाकर रन आऊट हो गए लेकिन सिकंदर ने डियोन मायर्स के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। सिकंदर को तुषार देशपांडे ने पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने 28 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 46 रन बनाए।

सिकंदर के आऊट होने के बाद डियोन मायर्स ने कुछ शॉट लगाए लेकिन 20वें ओवर में वह खलील अहमद का शिकार हो गए। तभी जिमबाब्वे के पुछल्ले बल्लेबाज स्कोर को 152 रन तक ले गए। सीरीज में भारत के लिए शानदार गेंदबाजी कर रहे रवि बिश्नोई विकेट लेने में सफल नहीं रहे। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की ओर से शुभमन गिल के साथ यशस्वी जयसवाल ओपनिंग पर आए। जयसवाल ने एक बार फिर से जिमबाब्वे के तेज गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया और विकेट के चारों ओर शॉट लगाए। जयसवाल ने तीसरे टी20 में भी ताबड़तोड़ 36 रन बनाए थे। शनिवार को भी उन्होंने तेजतर्रार पारी खेली और 29 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह जयसवाल की टी20 इंटरनेशनल करियर में पांचवीं फिफ्टी रही।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी शुरूआती विफलताओं को पीछे छोड़ते हुए चौथे टी20 में पॉजीटिव शुरूआत की। पहले टी20 में 31 तो दूसरे में 2 रन बनाने वाले शुभमन एक फिर से अच्छी लय में दिखे। शुरूआती ओवरों में जब जयसवाल आक्रमक थे तो शुभमन डिफेंसिव अप्रोच के साथ आए लेकिन जयसवाल की फिफ्टी पूरी होते ही उन्होंने भी हाथ खोले और कुछ अच्छे शॉट लगाकर टीम इंडिया का स्कोर 10 ओवर में 106 तक पहुंचा दिया।

तेजतर्रार पारी खेल रहे जयसवाल के पास एक मौका शतक बनाने का भी आया जब टीम इंडिया को जीत के लिए 25 रन चाहिए थे। वहीं, जयसवाल को शतक के लिए 17 रन। लेकिन तभी शुभमन के बल्ले से कुछ अच्छे शॉट निकले। शुभमन ने इसी के साथ सीरीज में अपनी दूसरी फिफ्टी भी पूरी की। जयसवाल 53 गेंदों पर 13 चौके और दो छक्कों की मदद से 93 रन पर नाबाद रहे। शुभमन ने 39 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 58 रन बनाए। भारतीय टीम ने 15.2 ओवर में भी बिना विकेट गंवाए मुकाबला जीत लिया।

जिमबाब्वे के खिलाफ पहली टी20 सीरीज भारत ने साल 2010 में खेली थी जब इंडिया 2-0 से जीतने में सफल रही। 2015 में सीरीज ड्रॉ रही। 2016 में भारत 2-1 से जीता। इसके बाद भारतीय टीम 2024 में जिमबाब्वे के दौरे पर गई जहां वह 5 टी20 मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे हो गई है। सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को हरारे के मैदान पर होना है। उम्मीद है इसे भी जीतकर शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम सीरीज 4-1 से अपने नाम करेगी।

नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कराज के बीच फाइनल, जोकोविच विम्बलडन जीतकर बनाएंगे ये महारिकॉर्ड

(एजेंसी)। रविवार यानी 14 जुलाई को विम्बलडन चैंपियनशिप 2024 में पुरुष सिंगल्स के फाइनल खेला जाएगा। इस मुकाबले में सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज आपस में भिड़ेंगे। लंदन में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त नोवाक ने 25वीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7,6 (2), 6-4 से हराया।

फाइनल में जोकोविच-अल्कारेज की टक्कर

कार्लोस अल्कारेज ने पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया था। मेदवेदेव मौजूदा विम्बलडन चैंपियन हैं। अल्कारेज ने पिछले साल नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। अब जोकोविच का लक्ष्य सेंटर कोर्ट पर मिली हार का बदला चुकता करने पर होगा।

वैसे कार्लोस अल्कारेज को हराना जोकोविच के लिए आसान नहीं रहने वाला है। अल्कारेज इससे पहले तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे और जीत भी हासिल की थी। 21 वर्षीय अल्कारेज तीनों तरह के कोर्ट घास, क्ले और हार्ड पर ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

केवल अच्छे पैसे देकर ही वेस्टइंडीज क्रिकेट को बेहतर नहीं बनाय जा सकता: लारा

-प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उपयोग नहीं कर पा रहे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज ब्रायन लारा ने टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार पर निराशा जाहिर की है। लारा ने इसके साथ ही कहा है कि हम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे नहीं ला पा रह हैं। साथ ही कहा कि केवल अच्छे पैसे देकर ये समस्या हल नहीं हो सकती है। लारा ने सवाल किया कि अगर आप वेस्टइंडीज के बैंक खाते में 100 मिलियन, 200 मिलियन डॉलर डालते हैं, तो क्या इससे हमारा खेल बेहतर हो जाएगा ? मुझे लगता है ऐसा नहीं होगा। खराब प्रदर्शन का कारण ये है कि हमारे पास जो प्रतिभाएं हैं हम उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

वेस्टइंडीज की टीम अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम का प्रदर्शन टी20 विश्वकप में भी अच्छा नहीं रहा था। साल 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट की वेस्टइंडीज नंबर एक टीम थी पर अब खिलाड़ियों का रुझान टी20 लीग के प्रति बढ़ा है। इसके अलावा एथलेटिक्स जैसे अन्य खेल भी तेजी से बढ़े हैं जिस कारण प्रतिभा पूल प्रभावित हो रहा है।

सिकंदर रजा ने टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास, ऐसा करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी बने

हरारे (एजेंसी)। हरारे में भारत और जिम्बाब्वे के बीच चौथा टी20 मैच खेला जा रहा है। जहां इस मुकाबले में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। दरअसल, वे जिम्बाब्वे की टीम के लिए टी20आई क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक और बड़ी उपलब्धि उन्होंने अपने नाम की है। वे टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 2000 रन और 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ चौथे टी20आई मैच में ये उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा निजी स्कोर भी बनाया है, अभी तक वे भारत के खिलाफ 34 रन ही बना पाए थे।

ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने जैसे ही भारत के खिलाफ हरारे में जारी चौथे टी20आई मैच में 13वें ओवर का आखिरी गेंद पर 17वां रन बनाया, वैसे ही वे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर सीन विलियम्स हैं। उन्होने 1691 रन जिम्बाब्वे के लिए टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए हैं। तीसरे नंबर पर हैमिल्टन मासकाद्जा हैं, जिन्होंने 1662 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे की टीम के कप्तान ने भारत के खिलाफ 46 रनों की पारी केली। ये भारत के खिलाफ उनका सर्वाधिका स्कोर था।

साइना पर टिप्पणी के लिए क्रिकेटर अंगकृष ने माफी मांगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार साइना पर की गयी अपनी टिप्पणी के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने माफी मांगी है। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। यह पूरा मामला साइना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से जुड़ा है। इसमें साइना ने देश में अन्य खेलों की तुलना में क्रिकेट की ओर अधिक ध्यान दिये जाने पर चिन्ता जतायी थी। साइना ने इस वीडियों में कहा था, सब लोग जानना चाहते हैं कि साइना क्या कर रही है, पहलवान और मुक्केबाज क्या कर रहे हैं, नीरज चोपड़ा क्या कर रहे हैं। हर कोई इन खिलाड़ियों को जानता है, क्योंकि हमने लगातार प्रदर्शन किया है और हम अखबारों में छाए रहे हैं। मैंने ऐसा किया, मुझे ऐसा लगता है कि यह एक सपने जैसा है जो मैंने भारत में किया क्योंकि यहां स्पोर्टिंग कल्चर नहीं है। साइना ने इसके बाद इस बातचीत में क्रिकेट को भी शामिल कर लिया। उन्होंने कहा- कभी-कभी मुझे लगता है कि क्रिकेट को कुछ ज्यादा ही महत्व मिलता है। वहीं अगर आप बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेनिस और दूसरे खेलों को देखें तो ये शारीरिक रूप से बहुत कठिन हैं। आपके पास शटल उठाने और सर्व करने का भी समय नहीं होता, आप ऐसा महसूस करते हैं। जैसे कि आप बहुत जोर से साँस ले रहे हों। वहीं मेरा मानना है कि क्रिकेट में कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण है। साइना इस वीडियो पर अंगकृष ने सोशल मीडिया पर विवादित कमेंट कर दिया था। ने लिखा, चलो देखते हैं कि बुमराह जब उनके सिर पर 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बाउंसर मारेंगे तो वह कैसे खेलेंगी।

झूलन गोस्वामी को महिला सीपीएल में मिली बड़ी जिम्मेदारी, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बनाया मेंटॉर

बेंगलुरू । ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज भी अपने यहां महिला टी20 क्रिकेट लीग शुरू कर चुका है। अगले महीने की 21 तारीख से विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन की शुरुआत होगी। ये लीग 29 अगस्त तक चलेगी। इस लीग में भारत महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी नजर आएंगी। वह एक टीम की मेंटॉर के तौर पर इस लीग में दिखाई देंगी। इस लीग में भारत की कई महिला खिलाड़ी भी खेलेंगी। इस लीग में अभी सिर्फ तीन ही टीमें हैं जिसमें से दो टीमें आईपीएल फ्रेंचाइजियों की टीमें ही हैं। बारबाडोस रॉयल्स विमंस, गुयाना अमेजन वॉरियर्स विमंस और त्रिनबागो नाइट राइडर्स विमंस नाम की तीन टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। झूलन इसस लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटॉर बनेंगी। झूलन भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी बंगाल की महिला टीम की मेंटॉर रह चुकी हैं। वह विमंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की मेंटॉर और गेंदबाजी कोच हैं। उनके साथ इस टीम में जेमिमा रोड्रिग्स, शिखा पांडे भी हैं। गोस्वामी ने इसे लेकर कहा कि, इतनी शानदार फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। नाइट राइडर्स ने भारत में अच्छा किया है और विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग में इस टीम के साथ जुड़ना सम्मान की बात है।

आईसीसी बोर्ड टी20 विश्व कप के अमेरिकी चरण के खर्चों पर चर्चा कर सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के अमेरिका चरण में बजट से अधिक खर्च होने का अनुमान है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड कोलंबो में 19 जुलाई को होने वाली वार्षिक बैठक के दौरान इस नुकसान पर चर्चा कर सकता है। टी20 विश्व कप की ऑडिटिंग (आय और व्यय का लेखा जोखा) पूरी नहीं हुई है, इसलिए नुकसान का आंकड़ा बताना मुश्किल है क्योंकि दर्शकों के टिकट से प्राप्त राशि की पूरी तरह से गणना की जानी बाकी है।

बोर्ड के प्रमुख सदस्यों का हालांकि मानना है कि टूर्नामेंट के अमेरिका चरण में हुआ नुकसान लाखों डॉलर में हो सकता है। यह पता चला है कि टूर्नामेंट निदेशक क्रिस टेटली ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार इंग्लैंड के 49 वर्षीय खेल प्रशासक ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही इस्तीफा देने का मन बना लिया था।

आईसीसी बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कई सदस्य टेटली के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया था, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि टी20 विश्व कप के अमेरिका चरण का इससे कोई लेना-देना है।'' उन्होंने कहा, ''कम से कम तीन आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट और सभी सहयोगी देशों को टी20 अंतरराष्ट्रीय का दर्जा मिलने के कारण, प्रबंधन का काम निरंतर चल रहा है। ऐसा माना जाता है कि टेटली ने कुछ समय पहले ही अपना पद छोड़ने का फैसला किया था।''

जिन लोगों ने इस आयोजन के संचालन के लिए करीब से काम किया है, उनका मानना है कि आईसीसी वास्तव में टिकटों की बिक्री के माध्यम से अच्छी कमाई करेगी। जिस बात ने आईसीसी के प्रभावशाली सदस्यों को नाराज किया है, वह इस प्रमुख आयोजन के लिए न्यूयॉर्क शहर को एक मेजबान के तौर पर चुनना है। नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड की काफी आलोचना हुई थी और इस स्थिति से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था।

उन्होंने कहा, ''यह आयोजन अमेरिका में होना था और न्यूयॉर्क के अलावा अन्य शहर भी थे जहां मैचों का आयोजन किया जा सकता था। इस पर विचार क्यों नहीं किया गया?'' उन्होंने सवाल उठाया, ''पिच के परीक्षण के लिए कोई अभ्यास मैच क्यों नहीं खेला गया। यह पिच निश्चित रूप से शीर्ष स्तर के क्रिकेट के लिए अनुपयुक्त था।

विम्बलडन महिला फाइनल में पाओलिनी का सामना क्रेइसिकोवा से

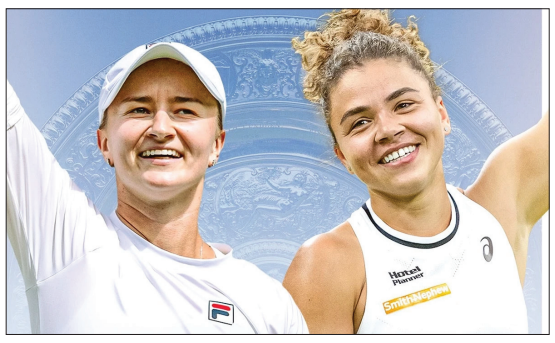

लंदन। इटली की जैसमीन पाओलिनी का सामना विम्बलडन महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की बारबरा क्रेइसिकोवा से होगा। सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी का यह लगातार दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल है। उन्हें फ्रेंच ओपन फाइनल में इगा स्वियातेक ने हराया था। वह 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद एक ही सत्र में फ्रेंच ओपन और विम्बलडन फाइनल मेंपहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। वहीं क्रेइसिकोवा ने 2021 में फ्रेंच ओपन जीता था और अगर यहां जीतती हैं तो उनका दूसरा ग्रैंडस्लैम होगा। उन्होंने महिला युगल में सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। पिछली बार की चैम्पियन मारकेटा वोंड्रोसोवा पहले दौर में ही हार गई थी।

आवेश खान ने बताई गौतम गंभीर की सबसे बड़ी ताकत, बोले- उनका एकमात्र टारगेट...

हरारे । भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान ने शुक्रवार को यहां कहा कि राष्ट्रीय टीम की नवनियुक्त कोच गौतम गंभीर का एकमात्र लक्ष्य हर हाल में जीत हासिल करना और खिलाड़ियों से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना होता है। गंभीर को इस सप्ताह के शुरू में राहुल द्रविड़ की जगह भारतीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगे। आवेश आईपीएल में गंभीर के मेंटोर (मार्गदर्शक) रहते हुए लखनऊ सुपर जॉइंट्स की तरफ से खेल चुके हैं। इस तेज गेंदबाज ने जिंबॉब्वे के खिलाफ शनिवार को होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले बीसीसीआई से कहा कि मैंने उनसे जो कुछ भी सीखा, वह इस मानसिकता के बारे में है कि आपको हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वी से बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए और अपना शत प्रतिशत योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह टीम बैठकों और आमने-सामने की बातचीत में बहुत कम बोलते हैं लेकिन क्या करना है इसको लेकर अपनी बात स्पष्ट रूप से रखते हैं। वह आपके सामने कुछ चुनौती रखते हैं और खिलाड़ियों को भूमिकाएं सौंपते हैं। वह हमेशा 'टीम कोच' रहे हैं। वह हर हाल में जीतना चाहते हैं और वह चाहते हैं कि हर खिलाड़ी अपना शत प्रतिशत योगदान दे। आवेश ने अभी तक तीन मैच में छह विकेट लिए हैं और उन्होंने कहा कि वह अपनी गेंदबाजी का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां अलग-अलग विकेट पर खेले हैं। हमने पहले दो मैच एक ही विकेट पर खेले थे। पहले मैच में उससे अच्छी उछाल मिल रही थी लेकिन दूसरे मैच में वह सपाट हो गया था। परिस्थितियां अच्छी हैं और क्योंकि यह मैदान खुला है इसलिए गेंद थोड़ा स्विंग भी हो रही है। आवेश ने कहा कि मैच दिन में खेले जा रहे हैं, इसलिए कभी-कभी विकेट शुष्क हो जाता है लेकिन एक गेंदबाज होने के नाते आपको हर तरह की स्थिति के लिए तैयार होना चाहिए। मैं हमेशा अपनी टीम के लिए विकेट लेने का प्रयास करता हूं। यहां सीमा रेखा काफी दूर है जो गेंदबाजों के लिए अच्छा है।

यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते देखना चाहते हैं बाईचुंग भूटिया

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते हुए देखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि लेमिन यमल और निको विलियम्स शानदार प्रदर्शन से दुनिया भर के प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। भूटिया ने कहा, ''स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है। वे तकनीकी रूप से अच्छा खेल दिखा रहे हैं। उन्होंने छह में से छह मैच जीते हैं। निश्चित रूप से स्पेन की टीम फॉर्म में है। '' भारत के इस 47 वर्षीय महान स्ट्राइकर ने कहा, ''यमल और विलियम्स फिर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

कपिल ने गायकवाड़ की सहायता के लिए बीसीसीआई से अपील की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने ब्लड कैंसर से जझ रहे अपने पुराने साथी बल्लेबाज अंशुमान गायकवाड़ की सहायता के लिए क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अपील की है। गायकवाड़ का अभी ब्लड कैंसर के लिए लंदन के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। गायकवाड़ भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज कोच और चयनकर्ता रहे हैं। कपिल ने कहा कि अपने पुरानी साथी की हालत देखकर हम बेहद दुखी हैं। कपिल ने कहा कि मैं दर्द में हूं क्योंकि मैं अंशुमान के साथ खेला हूं और उसे इस हालत में नहीं देख सकता। मुझे उम्मीद है कि बोर्ड उनका ध्यान रखेगा। कपिल के अलावा मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, रवि शास्त्री और कीर्ति आज़ाद ने भी गायकवाड़ की सहायता की अपील की है। भावुक कपिल ने कहा कि हम किसी को मजबूर नहीं कर रहे हैं। ये सहायता आपके दिल से आनी चाहिये। खतरनाक तेज गेंदबाजों के सामने खड़े होकर उसने अपने चेहरे और छाती पर वार झेले हैं। अब समय आ गया है कि हम उसके लिए खड़े हों। मुझे भरोसा है कि हमारे क्रिकेट प्रशंसक उन्हें निराश नहीं करेंगे, उन्हें उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। कपिल ने कहा कि अभी हमारे पास कोई प्रणाली नहीं है जो पूर्व क्रिकेटरों का ध्यान रख सकें। उन्होंने कहा कि हमारे समय में बोर्ड के पास पैसा नहीं था इसलिए हमें ज्यादा कुछ नहीं मिला पर आज स्थिति अलग है। ऐसे में बोर्ड को पूर्व क्रिकेटरों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं एक ट्रस्ट का गठन करने पर कपिल ने उम्मीद की कि प्रशंसकों और पूर्व खिलाड़ियों को इसमें कुछ-कुछ योगदान देना चाहिए। अगर कोई ट्रस्ट बनता है तो वे अपना पैसा वहां लगा सकते हैं जबकि अभी हमारे पास ऐसी कोई प्रणाली नहीं है। कपिल ने कहा कि अगर परिवार हमें अनुमति देता है तो हम अपनी पेंशन राशि दान करके योगदान देने के लिए तैयार हैं। बोर्ड को पूर्व खिलाड़ियों के मेडिकल मामलों को संभालने के लिए प्रतिष्ठित क्रिकेटरों की तीन सदस्यीय समिति बनानी चाहिए और यह तय करना चाहिए कि किसके सहायता की जरुरत है क्योंकि पूर्व क्रिकेटर आज परेशानी में हैं। कपिल से पहले पूर्व बल्लेबाज संदीप पाटिल और दिलीप वेंगसरकर ने भी गायकवाड़ की सहायता की अपील की थी और इस बारे में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष से भी बात की थी।

गुकेश और प्रज्ञानानंदा 45वें शतरंज ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम में

चेन्नई। भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा हंगरी के बुडापेस्ट में सितंबर में होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। नवंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में चीन के मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले गुकेश के लिए यह टूर्नामेंट 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। गुकेश (18 वर्ष) ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। वह अप्रैल में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने पीटीआई को पुष्टि करते हुए बताया कि टीम में अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा भी शामिल हैं। महिला टीम में डी हरिका, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव मौजूद हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अज्ञात कारणों से टीम से बाहर हैं जिन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। भारत ने पहली बार 2022 में ओलंपियाड के पिछले चरण की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान देश ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपियाड का 45वां चरण होगा। हंगरी पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी मेजबानी करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्योतिषी बांके का हाथ देखकर...
बेटा तुम बहुत पढ़ोगे...
बांके : पढ़ तो मैं 3 साल से रहा हूं...
यह बताओ कि पास कब होऊंगा...!!!

●●●●

एक बार एक सज्जन जबलपुर से दिल्ली जा रहे थे...
डिब्बे में भीड़-भाड़ ज्यादा थी...
उन्हें शरारत सूझी...
उन्होंने बैग से एक रबर का सांप निकला... ओर चुपके से डिब्बे में छोड़ दिया...
और चिल्लाने लगे, सांप सांप सांप.... थोड़ी देर में डिब्बा खाली हो गया... उसने जल्दी से अपना बिस्तर जमाकर जगह रोक ली...
सुबह जब आंख खुली तो पांच बजे थे और गाड़ी किसी स्टेशन पर खड़ी थी... उसने खिड़की से बाहर झांककर रेलवे के किसी कर्मचारी से पूछा...
यह कौन सा स्टेशन है?
जवाब मिला जबलपुर...
उसने पूछा, क्या गाड़ी दिल्ली नहीं गई...
कर्मचारी ने जवाब दिया...
गाड़ी तो दिल्ली गई लेकिन गाड़ी में सांप निकलने के कारण इस डिब्बे को काट दिया गया...!!!

●●●●

एक आदमी नदी में डूब रहा था...
आदमी बोला : हे प्रभु गणेश जी बचाओ...
गणेश जी तो डांस करने लगे...
आदमी : प्रभु मैं डूब रहा हूं और आप नाच रहे हैं...
गणेश जी : मेरे विसर्जन में तू भी बहुत नाच रहा था ना...!!!

●●●●

एक 10 साल का बच्चा बहुत ध्यान से एक किताब पढ़ रहा था...
जिसका टाइटल था...
बच्चों का पालन-पोषण कैसे करे...
यह बुक पढ़ते हुए उसकी मम्मी ने देखा तो पूछा...
मम्मी : तुम यह बुक क्यों पढ़ रहे हो...
बच्चा : मैं यह देखना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण ठीक तरह से हो रहा है या नहीं...!!!

●●●●

एक आदमी ने एक अनपढ़ नौकर रख लिया और ...
उसे समझाया कि किसी का नाम लेने से पहले जी लगा दिया करो...
थोड़ी देर बाद नौकर भागता हुआ आया और बोला...
साहबजी, साहबजी, कुत्तेजी ने मुर्गीजी को पकड़ लिया है...!!!

अब पोंछो आंसू

सतीश ने जान-बूझ कर पोलियो ग्रस्त हिमांशु को टांग मारकर गिरा दिया और फिर तेजी से निकल गया। हिमांशु के गिरते ही सतीश के अन्य साथियों ने हंसकर ताली बजाई, मानो वे उसे हिमांशु के गिराने की दाद दे रहे हों। सतीश सातवीं में पढ़ता था, लेकिन लंबा होने के कारण वह बड़ा लगता था, इसलिए सभी छात्र उससे डरते थे और न चाहते हुए भी उसकी हां में हां मिलाने पर मजबूर थे। एक दिन उनके स्कूल में हिन्दी के नए अध्यापक सूरज शर्मा आए। कुछ ही दिनों में स्कूल के सभी विद्यार्थी सूरज सर को बहुत पसंद करने लगे और उनकी हर आज्ञा का पालन करने लगे। सूरज, सतीश की कक्षा को भी पढ़ाते थे। एक दिन जब सूरज सर उनकी कक्षा में आकर पढ़ाने लगे तो तनीष ने एक नकली सांप डालकर जोर-जोर से सांप-सांप चिल्लाना शुरू कर दिया। वह सांप असली लग रहा था और सतीश उसे रिमोट कंट्रोल से दबाकर आगे-पीछे कर रहा था। यह देखकर कक्षा के बच्चों को लगा कि सचमुच में सांप उनके कमरे में घुस गया है। डर के कारण पूरी कक्षा बाहर भागने लगी। इसी भागदौड़ में हिमांशु कई छात्रों से टकराते-टकराते कक्षा के दरवाजे पर गिर गया। सभी छात्र भागदौड़ में हिमांशु की परवाह न करते हुए उसके ऊपर से कूद-कूद कर जाने लगे। सूरज सर ने यह देखकर सभी बच्चों को हिम्मत से काम लेने को कहा। लेकिन बच्चे तो अपनी जान बचाने में लगे थे। हिमांशु छात्रों के ऊ पर से आने-जाने से बुरी तरह जख्मी हो गया था। पूरी कक्षा खाली हो गई। केवल सूरज सर और हिमांशु ही वहीं पर रह गए। इसी उधेड़बुन में नकली सांप भी वहीं कक्षा में पड़ा हुआ था और आनन-फानन में भागदौड़ में सतीश के हाथ से रिमोट कंट्रोल भी गिर गया था। यह सब देखकर प्रिंसिपल, अध्यापक व अन्य छात्र भी अपनी कक्षाओं से बाहर निकलकर घटनास्थल पर जमा हो गए। तुरंत हिमांशु को अस्पताल ले जाया गया। कुछ ही देर में एक छात्र ने नकली सांप लाकर प्रिंसिपल को दिया तो सतीश के होश उड़ गए और वह डर से थर-थर कांपने लगा। उसे लगा कि अब तो प्रिंसिपल सर उसे स्कूल से निकाल देंगे। सूरज सर की नजर सतीश पर गई तो वह तुरंत समझ गए कि यह हरकत इसी की थी। प्रिंसिपल गुस्से से बोले, 'जिस भी छात्र ने यह हरकत की है, उसे बख्शा नहीं जाएगा।' प्रिंसिपल की बात पर सूरज सर बोले, 'सर, यह हरकत किसी ने जानबूझ कर नहीं की। शायद किसी बच्चे का सांप का खिलौना गिर गया होगा और बच्चों ने उसे सांप समझ लिया। वैसे भी यह नकली सांप देखने में असली सा ही जान पड़ रहा है। ऐसे में जब हम बड़े लोग धोखा खा सकते हैं तो बच्चों का डरना तो मामूली सी बात है'। प्रिंसिपल सर, सूरज का जवाब सुनकर संतुष्ट हो गए। सतीश सूरज सर को उसका बचाव करते देख हैरान रह गया। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? सूरज सर व अन्य अध्यापक तुरंत हिमांशु की तबियत का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे। अब हिमांशु कुछ ठीक था, लेकिन वह कई जगह से जख्मी हो गया था। डॉक्टर ने उसे पन्द्रह दिन का आराम करने की सलाह दी थी। स्कूल खत्म होने के बाद सतीश हिमांशु को देखने पहुंचा तो उसने सूरज सर को वहीं पाया। उन्हें देखकर वह बिलख-बिलख कर रोने लगा और बोला, 'सर, मैंने हमेशा हिमांशु का मजाक उड़ाया, अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया। अगर आज आप मुझे नहीं बचाते तो सर मुझे स्कूल से निकाल देते।' यह सुनकर सूरज सर बोले, 'सतीश, किसी को भी बेवजह परेशान करना और खासतौर पर उसकी कमजोरी का फायदा उठाना तो बहुत ही गलत बात है। इंसान को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। मैंने आज तुम्हारा बचाव करके तुम्हें एक मौका देना चाहा है। लेकिन आज के बाद मैं तुम्हारी गलतियों पर तुम्हारा बचाव नहीं करूंगा।' सूरज सर की बात पर सतीश बोला, 'सर, मैं आगे से कभी गलती नहीं करूंगा और पन्द्रह दिनों तक मैं हिमांशु की देखभाल करने के साथ-साथ उसकी होमवर्क करने में मदद करूंगा, उसकी अनुपस्थिति में कक्षा में जो पढ़ाई होगी उसमें मदद करूंगा।' सूरज सर से माफी मांगकर सतीश ने हिमांशु के गले लगकर उससे माफी मांगी और रोने लगा। उसे रोते देखकर हिमांशु बोला, 'इस मौके को अपने आंसू बहाने में नहीं दूसरों के आंसू पोंछने में उपयोग करो।' यह सुनकर सूरज सर मुस्कुरा दिए और सतीश उनके गले लग गया।

बढ़ाओ ज्ञान... एक क्लिक पर

दोस्तों, पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अगर एक ही जगह बैठे-बैठे तुम्हें देश-दुनिया के बारे में भी दिलचस्प जानकारी मिल जाए तो कितना बेहतर होगा। हम तुम्हें आज एक ऐसी ही वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां क्लिक करते ही तुम्हें पढ़ाई में मदद मिलने के साथ-साथ देश-दुनिया के बारे में भी ढेर सारी जानकारियां मिल जाएंगी। कैसे, बता रहे हैं -

क्यूरिओसिटी डॉट डिस्कवरी डॉट कॉम नामक एक वेबसाइट जानकारियों का खजाना है। इस वेबसाइट पर इतना कुछ है कि तुम नई-नई चीजों के बारे में पढ़ते हुए और सर्च करते हुए थक जाओगे, लेकिन यहां पर नई-नई जानकारियां खत्म होने का नाम नहीं लेंगी। वेबसाइट पर क्लिक करते ही तुम्हें लोगों, जानवरों और दुनिया की तमाम खास जगहों के बारे में दिलचस्प जानकारी मिल जाएगी। इनके बारे में पढ़ने से तुम्हें मजेदार तथ्यों के बारे में जानने को तो मिलेगा ही, तुम्हारे ज्ञान में भी काफी बढ़ोतरी होगी, जो भविष्य में तुम्हारे काफी काम आएगी।

हर विषय की है जानकारी

तुम जैसे स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स के लिए इस वेबसाइट पर तुम्हारे विषय से संबंधित भी काफी जानकारी है। बात चाहे गणित के सवाल हल करने की हो या फिर इतिहास के बारे में रोचक तथ्य जानने की या फिर भूगोल की अहम जानकारियां। ये सभी एक क्लिक पर तुम्हें आसानी से मिल जाएंगी। इन सबके अलावा विज्ञान के प्रोजेक्ट और अंतरिक्ष में हो रही हलचल के बारे में भी रोचक जानकारियों का खजाना है यह वेबसाइट।

मजेदार जानकारियों से भरपूर

एक बार इसके एनिमल सेक्शन पर क्लिक कर लेना। तुम्हें जानवरों के बारे में इतनी मजेदार जानकारियां मिलेंगी कि तुम्हारी पढ़ाई की सारी थकान मिनटों में गायब हो जाएगी और तुम फिर से तरोताजा हो जाओगे।

आधा किलो का था पहला स्मार्टफोन

दोस्तों क्या तुम जानते हो कि किसी बॉक्स की तरह नजर आ रहा यह उपकरण दुनिया का पहला स्मार्टफोन था। इसका नाम है आईबीएम साइमन, जिसे पहली बार 16 अगस्त 1994 को बाजार में उतारा गया था। यह दरअसल, एक ऐसा उपकरण था जिसमें मोबाइल फोन की तकनीक और कम्प्यूटर की तरह कई खासियतें थीं। इसे लंदन के साइंस म्यूजियम में रखा गया है। म्यूजियम की क्यूरेटर शार्लोट कॉनेली का कहना है, साइमन को उस समय स्मार्टफोन नहीं कहा जाता था।

-इसमें कैलेंडर था और यह नोट्स ले सकता था।
-इससे ईमेल और संदेश भेजे जा सकते थे। इसे फैक्स से भी जोड़ा जा सकता था।
-इस फोन का वजन करीब 500 ग्राम था।
-इस फोन की एलसीडी स्क्रीन थी और बैटरी सिर्फ एक घंटे की थी। तब इसकी कीमत 899 डॉलर थी।

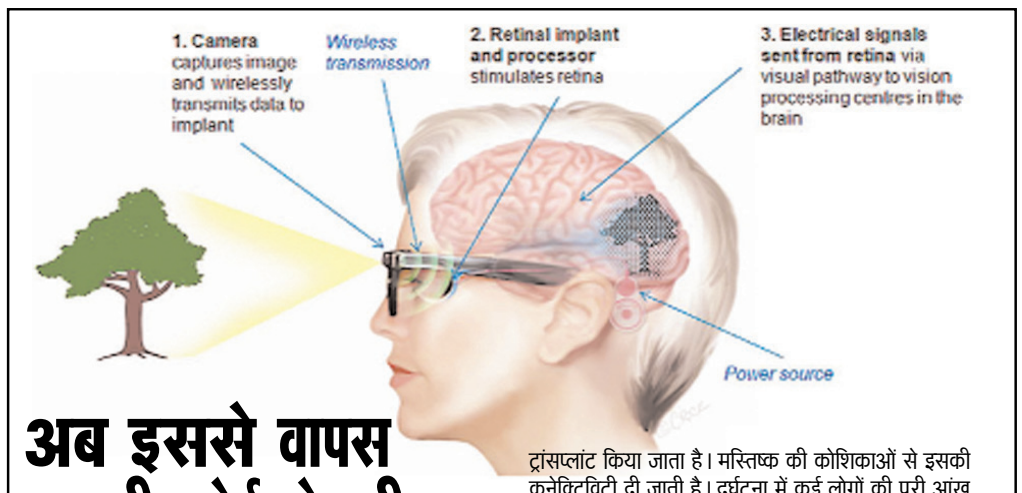

अब इससे वापस आएगी खोई रोशनी बायोनिक आई

बायोनिक आंख भी चिकित्सा जगत का एक चमत्कार है। आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने पूरी-की-पूरी आर्टिफिशियल आई बायोनिक आंख का विकास किया है। यह आंख उन मरीजों की जिन्दगी को जिन्दाबाद कर देगी, जो दुर्घटना में अपनी पूरी आंख खो चुके हैं। इस कृत्रिम आंख को सभी जगहों से मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे बाजार में लाने की तैयारी है। मरीज की आंख की सेल समाप्त हो जाने पर इस आर्टिफिशियल आई का ट्रांसप्लांट किया जाता है। मस्तिष्क की कोशिकाओं से इसकी कनेक्टिविटी दी जाती है। दुर्घटना में कई लोगों की पूरी आंख मृत हो जाती है। बचपन से ही कुछ लोगों की आंखें खराब होती हैं, आंखों की नब्ज भी खत्म हो जाती है तथा दिमाग से आंखों के सेल का सम्बन्ध समाप्त हो जाता है। ऐसे लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाने में यह बायोनिक आंख अचूक है।

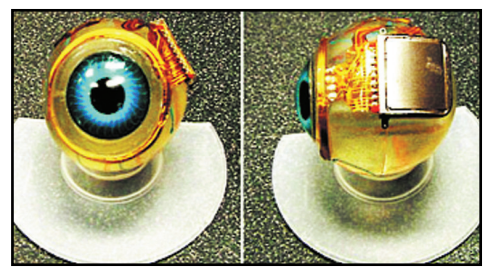

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

अर्जेंटीना में हमास आतंकी संगठन घोषित, समूह की संपत्तियां होंगी जब्त

ब्यूनस आर्यस। अर्जेंटीना ने हमास को आतंकी समूह घोषित करते हुए समूह की वित्तीय संपत्तियों को जब्त करने के आदेश शुक्रवार को जारी किए हैं। ऐसा करके अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने संदेश दिया है कि उनका देश अमेरिका और इजराइल के साथ है। अर्जेंटीना ने हमास को आतंकी समूह घोषित कर दिया और इस फलस्तीनी समूह की वित्तीय संपत्तियां जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। दरअसल अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने अमेरिका और इजराइल को संदेश दिया है कि वो मजबूती के साथ उनके हर कदम में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए हैं। अर्जेंटीना द्वारा हमास को आतंकी संगठन घोषित करने के फैसले को बहुत हद तक एक सांकेतिक कदम माना जा रहा है। बताते चलें कि राष्ट्रपति कार्यालय ने पिछले 07 अक्टूबर को इजराइल में फलस्तीनी समूह द्वारा किए गए हमले का हवाला देते हुए यह घोषणा की है। यही नहीं अर्जेंटीना ने अपने बयान में हमास से ईरान के घनिष्ठ संबंधों का भी उल्लेख किया है, जिससे यह साफ हो जाता है कि अर्जेंटीना अमेरिका और इजराइल के करीब जाना चाहता है और इस समय इससे बेहतर कोई दूसरा रास्ता उसे नहीं सूझ रहा है।

इस्राइली हमले में 70 लोगों की मौत पर हमास ने बताया सुनियोजित नरसंहार

गाजा। शहर में हुए हमले में 70 लोगों की मौत के बाद हमास ने इस्राइल पर सुनियोजित नरसंहार करने का आरोप लगाया। हमास के मीडिया कार्यालय के महानिदेशक इस्माइल अल-थावाब्ता ने दावा किया कि इस्राइली सेना ने पूर्वी गाजा शहर में हजारों फलस्तीनियों को पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में जाने का निर्देश दिया और फिर उनके पहुंचने पर उन पर गोलियां चला दीं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने भी गाजा शहर में शवों की बरामदगी की निंदा की और इसे इस्राइल हमास संघर्ष का नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव का एक और दुखद उदाहरण बताया। संयुक्त राष्ट्र ने तत्काल युद्धविराम करने और सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई करने की अपील को दोहराया। दुजारिक ने कहा, जब तक यह संघर्ष चल रहा है, लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार चिकित्सा सहायता, भोजन, आश्रय देना असंभव है और युद्ध में मारे जा रहे लोगों को सम्मानजनक अंतिम संस्कार भी देना असंभव है। इस्माइल अल-थावाब्ता ने बताया कि बचाव दल ने ताल अल-हवा क्षेत्र से 70 शव बरामद किए हैं और कम से कम 50 लोग लापता हैं। थावाब्ता ने दावा किया कि कुछ विस्थापित लोग इस्राइली सेना की ओर इशारा करते हुए, सफेद झंडे लिए हुए थे और कह रहे थे, हम लड़ाके नहीं हैं, हम विस्थापित हैं। लेकिन इस्राइली सेना ने इन विस्थापित लोगों को भी बेरहमी से मार डाला। हमास के नेता ने आरोप लगाया कि इस्राइली सेना ने ताल अल-हवा में नरसंहार को अंजाम देने की योजना पहले से ही बना रही थी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस्राइल पर फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव डालने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि लोग अभी लोग भूखे हैं। लोगों को पानी की जरूरत है। लोगों को चिकित्सा सहायता की जरूरत है। और यही वह काम है जो हम युद्ध क्षेत्र के बीच में करने की कोशिश कर रहे हैं। अक्टूबर में गाजा पर इस्राइल के हमलों के शुरू होने के बाद से पश्चिमी सीमा पर भी हिंसा में वृद्धि देखी गई है।

पत्नी का जन्मदिन यादगार बनाने पति ने खर्च कर दिए 60 लाख रुपए, किसी जलसे की तरह मनाते हैं बर्थडे को

दुबई । दुबई के एक करोड़पति शख्स ने बीवी को उसके बर्थडे पर ऐसे-ऐसे गिफ्ट दिए कि वो बेहद खुश हो गई। अपनी पत्नी का दिन यादगार बनाने के लिए पति ने 60 लाख रुपये खर्च कर दिए। जानकारी के मुताबिक सऊदी अल नादक 26 साल की हैं और ससेक्स की रहने वाली हैं। उनकी मुलाकात 32 साल के जमाल अल नादक से तब हुई जब दोनों दुबई की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। दोनों 7 साल से साथ हैं और उनकी शादी को 3 साल हो चुके हैं। अब सऊदी एक हाउसवाइफ हैं और उनके पति जमाल दुबई के करोड़पति हैं। शादी के 3 साल होने के बावजूद वो अपनी बीवी से इतना प्यार करते हैं कि उसके बर्थडे को किसी जलसे की तरह मनाते हैं।सऊदी ने एक वीडियो हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि पति ने बर्थडे पर कितने रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने सऊदी को 15000 डॉलर (12 लाख रुपये) की शॉपिंग मियु मियु ब्रांड से करवाई है। इसके बाद उन्होंने 1 लाख रुपये का डिनर पति के साथ किया। फिर वो पति के साथ हर्म्स ब्रांड के शोरूम गईं, जहां पर उन्हें 29 लाख रुपये की चीजें दिलाई गईं। फिर उन्होंने स्पा, फेस फिलर आदि जैसे ब्यूटी ट्रीटमेंट पर काफी रुपये खर्च किया। उनके इस वीडियो को 34 लाख रुपये मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि इतना कुछ मिलने के बाद भी उनका चेहरा क्यों लटका हुआ है। एक ने कहा कि जो लोग असल में अमीर होते हैं, वो इस तरह दिखावा नहीं करते हैं। एक ने कहा कि ये सिर्फ पैसों की बर्बादी है। एक ने कहा कि इतने कुछ के बाद भी उनके पास आजादी नहीं है। बता दें कि बीवी का बर्थडे हो तो पति की दोहरी जिम्मेदारी हो जाती है, पहली तो ये कि उसके दिन को खास बनाना और दूसरा ये कि उसे ऐसा गिफ्ट देना जिससे वो खुश हो जाए। पहला काम तो शायद आसान है, पर ऐसा गिफ्ट खोजना मुश्किल है, जिससे बीवी खुश ही हो जाए!

आईलैंड काउई के पास टूर कंपनी का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, 2 लापता

काउई। हवाई आईलैंड काउई के पास टूर कंपनी का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग लापता हो गए हैं। काउई के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि कलालाऊ मार्ग पर एक यात्री ने गुरुवार को ना पाली तट से लगभग एक चौथाई मील (0.4 किलोमीटर) दूर पानी में हेलीकॉप्टर को दुर्घटनाग्रस्त होते देखा और फायर ब्रिगेड को फोन किया। अधिकारियों ने कहा कि रॉबिन्सन आर44 हेलीकॉप्टर अली 'ई काउई एयर टूर्स एंड चार्टर्स का हिस्सा था। कंपनी खुद को काउई पर एकमात्र हवाई-परिवार के स्वामित्व वाली और संचालित हवाई टूर कंपनी के रूप में पेश करती है। इसकी वेबसाइट में कहा गया है कि उसके पास तीन दशकों से अधिक का उड़ान अनुभव है। यह हवाई जहाज या हेलीकॉप्टर द्वारा प्राइवेट पर्यटन प्रदान करता है। हादसे के बाद काउई लाइफगार्ड्स ने गुरुवार को पानी से एक व्यक्ति का शव बरामद किया। अमेरिकी तटरक्षक बल ने शुक्रवार को भी पानी में दो लोगों की तलाश जारी रखी। उनकी पहचान तुरंत जारी नहीं की गई है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड जांच करेगा. एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि एक बार विमान बरामद हो जाने के बाद, एनटीएसबी अन्वेषक घटनास्थल का दस्तावेजीकरण करना और विमान की जांच करना शुरू कर देगा। फिर विमान को आगे के मूल्यांकन के लिए एक सुरक्षित सुविधा में ले जाया जाएगा।

माता-पिता एक ट्रेंड के तहत खुद को छोटे कमरे में कर रहे हैं बंद, इस चलन को कहा जाता है हिकीकोमारी

सियोल। साउथ कोरिया के माता-पिता एक ट्रेंड के तहत खुद को छोटे कमरे में बंद कर रहे हैं। इस छोटे से कमरे में बंद होने के इस चलन को हिकीकोमारी कहा जाता है और कई पैरेंट्स इन ट्रेंड को अमल में लाकर अपने बच्चों को समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसी साल अप्रैल से माता-पिता कोरिया यूथ फाउंडेशन और ब्लू व्हेल रिकवरी सेंटर जैसे एनजीओ के इस प्रकार के 13-सप्ताह के खास प्रोग्राम में पार्टिसिपेट कर रहे हैं। बता दें कि दक्षिण कोरिया दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्या दर वाले देशों में से एक है। यह पूरा मामला एक नजर में पेचीदा लगता है लेकिन इसके पीछे की मंशा उस देश के लोगों को स्पष्ट है। दक्षिण कोरिया में माता-पिता खुद को 'हैप्पीनेस फैक्ट्री' के अंदर बंद कर लेते हैं और ऐसा अंजाम दे रहे हैं वो दो संस्थाओं के जरिए। इन छोटे छोटे कमरों को आप किसी स्टोर या किसी अलमारी की तरह मानन सकते हैं।

इंडोनेशिया में भारी बारिश के कारण नाव का सहारा लेते हुए लोग।

बरी हुए इमरान खान, कोर्ट ने दिए रिहाई के आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को गैर-इस्लामिक विवाह मामले में बरी कर दिया। यह मामला पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक को पिछले साल अगस्त से सलाखों के पीछे रखने वाला एकमात्र मामला था। 8 फरवरी को आम चुनाव से कुछ दिन पहले 3 फरवरी को इस्लामाबाद की एक अदालत ने बुशरा बीबी के पूर्व पति खावर फरीद मनेका की शिकायत के आधार पर दंपति को दोषी ठहराया था। मेनका ने आरोप लगाया कि उन्होंने बुशरा बीबी की इद्दत अवधि के दौरान शादी का अनुबंध किया था, जो इस्लाम में एक अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि है जो एक महिला के तलाक या उसके पति की मृत्यु के बाद चार महीने तक चलती है। दंपति ने इस्लामाबाद की एक जिला एवं सत्र अदालत में सजा को चुनौती दी, जहां अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) अफजल मजोका ने मामले की सुनवाई की। न्यायाधीश माजोका ने दिन की शुरुआत में फैसला सुरक्षित रखने के बाद दोपहर में फैसले की घोषणा की और 71 वर्षीय खान और 49 वर्षीय बुशरा को बरी कर दिया। न्यायाधीश ने उनकी अपील स्वीकार करने के बाद कहा कि अगर वे किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो पीटीआई के संस्थापक इमरान खान और बुशरा बीबी को तुरंत [जेल से] रिहा किया जाना चाहिए।' हालाँकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि क्या खान को रिहा किया जाएगा, क्योंकि यह एकमात्र मामला था जिसके लिए वह वर्तमान में तोशखाना भ्रष्टाचार मामले की सजा के निलंबन और सिफर मामले में बरी होने के बाद जेल में बंद था।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद की तो चीन को भुगतने होंगे परिणाम

-अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर चीन को चेताया

वाशिंगटन, (एजेंसी)। चीन अक्सर अपनी गतिविधियों के चलते खबरों में बना रहता है और अपने आसपास के देशों पर धाक जमाने की कोशिश करता रहता है लेकिन चीन का कट्टर दुश्मन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर चीन के खिलाफ आवाज उठाई है। बाइडन ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए चीन को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ यूरोपीय देश पूर्वी एशियाई देश में अपने निवेश को कम करने जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाइडन ने कहा कि मुद्दा यह है कि हमें यह तय करना होगा कि शी जिनपिंग यह समझें कि प्रशांत बेसिन के साथ-साथ यूरोप और रूस से संबंधित और यूक्रेन से निपटने के लिए कीमत चुकानी होगी। यदि आप चीन में निवेश करना चाहते हैं, तो आपके पास 51 फीसदी चीनी मालिक होना चाहिए। आपको यह तय करना होगा कि आप उनके नियमों का पालन करें और अपने पास मौजूद डेटा और सूचनाओं तक सभी पहुंच प्रदान करें।

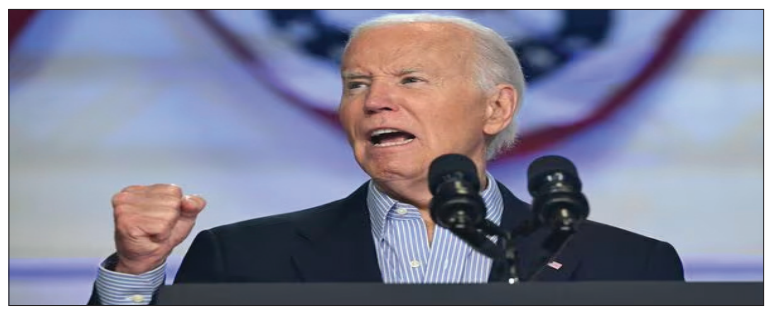

बाइडन ने कहा वे सरकारी वित्तपोषण द्वारा उत्पादों को रियायत देने संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन नहीं करते तो इस प्रकार वे बिना किसी महत्वपूर्ण शुल्क के अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को अमेरिका में निर्यात करने में सक्षम नहीं होंगे। अन्य देश भी दुनिया भर में यही कर रहे हैं, लेकिन यह चिंता का विषय है। चीन, उत्तर कोरिया, रूस, ईरान जैसे देशों में हो सकता है कि अतीत में समन्वय नहीं रहा हो, वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे कैसे प्रभाव डाल सकते हैं।

एक सवाल के जवाब में बाइडन ने कहा कि चीन से निपटने के लिए उनके पास एक रणनीति है। उन्होंने कहा कि इसके बारे में सार्वजनिक रूप से विस्तार से बात नहीं करूंगा। जब तक चीन, रूस को उसकी अर्थव्यवस्था में मदद करने के मामले में अप्रत्यक्ष समर्थन जारी रखता है और यूक्रेन में लड़ने की उनकी क्षमता में भी मदद करता है आप देखेंगे कि हमारे कुछ यूरोपीय मित्र चीन में अपने निवेश को कम करेंगे।

बाइडन के 56 प्रतिशत लोग चाहते वे अपनी उम्मीदवारी स्वत: खत्म कर दें

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन की लगातार मुश्किलें बढ़ रही हैं। उनके अपने ही 56 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो चाहते है कि बाइडन अपनी उम्मीदवारी खत्म कर दें। इसके एक नहीं कई कारण बताए जा रहे हैं। बाइडन पर उम्र हावी हो रही है। बार-बार उनके जुबान फिसल रही है। अब तो खुद उनके अपने भी उनकी उम्मीदवारी को लेकर पराए होने लगे हैं। खुद आधे से अधिक डेमोक्रेट्स नहीं चाहते कि जो बाइडन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की रेस में उम्मीदवार के तौर पर दौड़ें। एक सर्वे की रिपोर्ट से जो बाइडन की उम्मीदवारी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। करीब-करीब 56 भीसदी डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि जो बाइडन अपनी उम्मीदवारी खत्म कर दें। रिपोर्ट के मुताबिक, 56 फीसदी डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि जो बाइडन अपनी उम्मीदवारी समाप्त कर दें। हालांकि, सर्वे में शामिल 42 फीसदी डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि जो बाइडन डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मैदान में डटे रहें। सर्वे के मुताबिक, 3 में से 2 लोगों का कहना है कि जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव से पीछे हट जाना चाहिए।

वहीं दूसरी तरफ चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैदान-ए-जंग में अंगद की तरह पांव जमाए हुए हैं। विभिन्न राजनैतक कारणों के चलते जो बाइडन की उम्मीदवारी पर अब भी तलवार लटकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी के ऐलान से ठीक पहले इस पोल ने बाइडन की मुसीबत बढ़ा दी है। यह रिपोर्ट दिखाती है कि कैसे बाइडन की लोकप्रियता कम होती जा रही है। कैसे उनक समर्थन में गिरावट दर्ज की जा रही है। बाइडन को लेकर इस रिपोर्ट में उन घटना का अहम रोल है, जिसमें वो बार-बार लड़खड़ाते-बुदबुदाते दिखते हैं। हाल ही में जो बाइडन ने नाटो मीटिंग के दौरान जेलेंस्की को प्रेसीडेंट पुतिन कह दिया। डेमोक्रेट्स के भीतर ही जो बाइडन की उम्र को लेकर बहस छिड़ गई है। बाइडन की उम्र 81 साल है। पहले प्रेसीडेंशियल डिबेट में भी डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडन की उम्र को अपना हथियार बनाया था।

प्लाइट में फिर हुआ पेशाब कांड

-विमान में नशे की हालत में यात्री ने कपड़े उतार की पेशाब, किया हंगामा

- आपातकालीन लैंडिंग कराकर फ्लाइट से यात्री को किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। हवाई जहाज में यात्रियों द्वारा हंगामा करने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। इसमें से सबसे ज्यादा फ्लाइट में पेशाब कांड चर्चा में रहा था। अब एक बार फिर फ्लाइट में एक यात्री के पेशाब करने का मामला सामने आया है। नशे में धुत यात्री ने अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट को आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर कर दिया। हुआ यूं कि एक यात्री ने कपड़े उतारकर विमान के गलियारे में पेशाब कर दी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के 25 वर्षीय नील मैकार्थी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें कहा था कि उसने कई जैक एंड कोक पी लिए थे। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर अभद्र व्यवहार करने का मामला दर्ज किया गया हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना अमेरिकन ईगल फ्लाइट में हुई, जो शिकागो से न्यू हैम्पशायर के लिए उड़ान भर रही थी यात्री के व्यवहार के कारण फ्लाइट को बफ़ेलो, न्यूयॉर्क की ओर डायवर्ट किया गया। फ्लाइट के लैंड करते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि एक यात्री के मोबाइल फोन के कैमरे से खींची गई एक तस्वीर मिली, जिसमें मैकार्थी विमान में खुद को नंगा करके पेशाब करते हुए दिखाई दे रहा था।

पुलिस ने विमान पायलट और क्रू मेम्बर के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिन्होंने शुरू में मैकार्थी के बारे में कानून प्रवर्तन अधिकारियों को बताया था। मैकार्थी ने पुलिस को बताया कि उसे जैक एंड कोक पीना पसंद है और उसने पोर्टलैंड, ओरेगन में विमान पर चढ़ने से पहले कोक पी लिए थे और शिकागो में रुकने के दौरान भी उसने कुछ और कोक पी लिए। उसने कहा कि वह विमान के टॉयलेट का उपयोग करने के बाद पेशाब की समस्या के कारण बीन को हिला रहा था। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि एन्वॉय एयर द्वारा संचालित एम्ब्रेयर 170/175 को एक नशे में धुत यात्री के कारण विमान को डायवर्ट किया गया था।

प्रचंड नहीं हासिल कर सके विश्वासमत, ओली ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के पीएम पुष्प कमल दाहाल प्रचंड संसद में विश्वासमत हासिल नहीं कर सके। उसके बाद पूर्व पीएम के पी शर्मा ओली ने नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। पिछले सप्ताह सरकार से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) ने अपना समर्थन वापस ले लिया था।

इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पूर्व पीएम के.पी. ओली के नेतृत्व में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष 165 सांसदों के समर्थन से नई सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इन सांसदों में उनकी पार्टी के 77 और नेपाली कांग्रेस के 88 सांसद हैं।

इससे पहले 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मतविभाजन के दौरान प्रचंड को 63 वोट मिले, जबकि विश्वासमत प्रस्ताव के विरोध में 194 वोट पड़े। प्रचंड को विश्वासमत हासिल करने के लिए कम से कम 138 वोट की जरूरत थी। प्रतिनिधि सभा के 258 सदस्यों ने मतदान में भाग लिया, जबकि एक सदस्य मतदान में शामिल नहीं हुआ। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-माओइस्ट सेंटर (सीपीएन-एमसी) के अध्यक्ष प्रचंड 25 दिसंबर, 2022 को पद संभालने के बाद चार बार विश्वासमत हासिल करने में सफल रहे हैं लेकिन इस बार उन्हें असफलता का सामना करना पड़ा है। इससे नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के लिए नई गठबंधन सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। पूर्व पीएम के.पी. ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने सदन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के साथ सत्ता-साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद पिछले सप्ताह प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था।

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पहले ही अगले पीएम के रूप में ओली का समर्थन कर चुके हैं। देउबा और ओली ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को अपदस्थ करने और नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए सात सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के मुताबिक ओली और देउबा बारी-बारी से पीएम पद साझा करेंगे। पहले चरण में ओली डेढ़ साल पीएम बनेंगे और उसके बाद बची हुई अवधि में देउबा पीएम बनेंगे।

पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ सात अरब डॉलर के नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

इस्लामाबाद। नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सात अरब डॉलर के नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान को तीन साल की अवधि वाले इस ऋण पैकेज से जटिल आर्थिक समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि 2023 स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत हासिल की गई आर्थिक स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए आईएमएफ कर्मचारी और पाकिस्तानी अधिकारी एक कर्मचारी स्तरीय समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत लगभग सात अरब डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा व्यवस्था (ईएफएफ) पर सहमति बनी है। एसबीए एक छोटी अवधि का ऋण है, जो आईएमएफ भुगतान संकट का सामना कर रहे अपने सदस्य देशों को देता है। वाशिंगटन स्थित ऋणदाता ने आगे कहा कि नए कार्यक्रम का उद्देश्य नकदी की कमी से जूझ रहे देश में व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना और अधिक समावेशी और लचीले विकास को बढ़ावा देना है।

रूस की सेना में फंसे भारतीय वापसी की देख रहे राह, पुतिन ने दिया है आश्वासन

-फंसे भारतीय ने वीडियो में कहा- हमारे दल के 15 में से 13 मारे जा चुके हैं

मास्को (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी विगत दिवस रूस के दौरे पर गए थे। मॉस्को में उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने रूसी सेना में फंसे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया जिस पर पुतिन ने कहा कि रूस उन लोगों की भारत वापसी में मदद करेगा। पीएम की रूस यात्रा के बाद रूसी सेना के लिए लड़ रहे एक भारतीय नागरिक का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह कह दिख रहा है कि उसके दल के 15 गैर रूसी सैनिकों में से सिर्फ दो ही जिंदा बचे हैं। उसे उम्मीद है कि पुतिन से पीएम मोदी की मुलाकात के बाद उसकी वतन वापसी हो पाएगी।

रूसी सेना से जिस भारतीय शख्स का वीडियो सामने आया है। उसका नाम उर्गेन तमांग है और वो पश्चिम बंगाल के कलिमपोंग का रहने वाला है। उसे धोखे से रूस ले जाया गया और सेना भी भर्ती करवा दिया और रुस-यूक्रेन युद्ध में झोंक दिया। उर्गेन ने बताया कि वह पिछले छह माह से रूसी सेना के लिए लड़ रहा है। एजेंटों ने उसे रूस में सुरक्षा गार्ड की नौकरी दिलवाने का वादा किया था लेकिन जब वो रूस पहुंचा तो उसे रूस-यूक्रेन की जंग में भेज दिया गया।

कलिमपोंग के प्रधान ने बताया कि वह लगातार वॉटसएप के जरिए उर्गेन से बातचीत करते रहते हैं लेकिन हमें और उसके परिवार को पता भी नहीं है कि हम उर्गेन को फिर से देख पाएंगे या नहीं। कलिमपोंग नगरपालिका के अध्यक्ष रबी प्रधान से उनकी मदद की गुहार लगाई गई थी। प्रधान ने विदेश मंत्रालय से संपर्क किया और इस मामले को जरूरी मदद के लिए मॉस्को में भारतीय दूतावास के साथ उठाया गया है।

वीडियो मैसेज में उर्गेन ने कहा कि मैं रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसा हूं। यहां 15 गैर-रूसी थे, लेकिन 13 मारे गए हैं। केवल दो बचे हैं मैं और श्रीलंका का एक व्यक्ति है। उसने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं जीवित हूं और मैं अपने देश वापस जाना चाहता हूं। मैं अधिकारियों से अपील करता हूं कि कृपया मुझे और अन्य भारतीयों को रिहा करवाएं। जय हिंद, जय भारत।

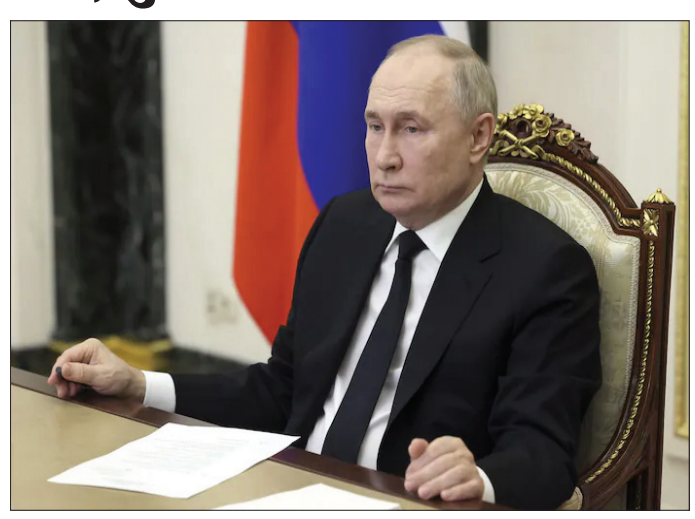

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

16 को फिर हरियाणा आएंगे शाह, तीसरी बार सरकार बनाने का रचेंगे चक्रव्यूह

-महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग के प्रदेशस्तरीय सम्मेलन को करेंगे संबोधित

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनाने को लेकर बीजेपी की वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद 16 जुलाई को फिर हरियाणा आ रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए अमित शाह अहीरवाल क्षेत्र यानी दक्षिण हरियाणा को साधने की कोशिश करेंगे। वे महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग के प्रदेशस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस दौरान प्रदेश बीजेपी की ओर से अमित शाह का नागरिक अभिनंदन भी किया जाएगा। चुनाव की तैयारियों और शाह के कार्यक्रम को लेकर सीएम हाउस में बीजेपी के दिग्गजों की हाई लेवल बैठक हुई। रात इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय पालक सौदान सिंह विशेष रूप से मौजूद थे। हरियाणा विधानसभा चुनावों की रूपरेखा पर मंथन किया गया। विधानसभा चुनाव में बीजेपी देश की सुरक्षा, जनता की तरक्की और विकास के मुद्दे पर लोगों के बीच जाएगी। पीएम मोदी के नाम पर हरियाणा के विकास के लिए यह चुनाव लड़ा जाएगा।

इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 16 जुलाई को महेंद्रगढ़ आगमन की तैयारियों को लेकर भी समीक्षा की गई। शाह के दौरे से पहले प्रदेश बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की 13 जुलाई को महेंद्रगढ़ में बैठक होगी। नायब सिंह सैनी और मोहनलाल बड़ौली की मौजूदगी में होने वाली इस बैठक में सरकार के सभी मंत्री-विधायक, हरियाणा से केंद्रीय मंत्री और सांसदों के अलावा प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों, जिलाध्यक्षों के अलावा मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कर्णदेव काम्बोज ने बताया कि बीजेपी सरकार का धन्यवाद करने के लिए यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सीएम नायब सिंह सैनी पिछड़ा वर्ग की अधिकांश मांगों को पूरा कर चुके हैं। क्रीमी लेयर की लिमिट 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख की गई है। ओबीसी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति 12 हजार से बढ़ाकर 20 हजार

सालाना कर दी है। पिछड़ा वर्ग और एससी समाज की धर्मशालाओं की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। पिछड़ा वर्ग का बैकलॉग भरने की प्रक्रिया भी सरकार ने शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया से मिलने उनके आवास पर पहुंचे हेमंत सोरेन

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से यहाँ उनके आवास पर मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। श्री सोरेन ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी साझा की है। उन्होंने एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमें वह अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ श्रीमती गांधी के आवास पर उनसे मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद वह श्रीमती गांधी से नहीं मिले थे इसलिए उनसे मिलने उनके आवास पर गये। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने श्रीमती गांधी से झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की।

भाजपा और केंद्र सरकार केजरीवाल की जिंदगी से खेल रही है: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा और उसकी केंद्र सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खेल रही है, जिनका वजन जेल में रहने के दौरान 8.5 किलोग्राम कम हो गया है और रक्त में शर्करा का स्तर 50 मिलीग्राम/डीएल से नीचे पांच बार जा चुका है। सिंह के दावों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उनकी स्वास्थ्य स्थिति ऐसी है कि अगर उन्हें जल्द जेल से बाहर नहीं लाया गया और इलाज नहीं किया गया तो उनके साथ कोई भी गंभीर घटना घट सकती है।'' उन्होंने कहा कि जब 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, तब उनका वजन 70 किलोग्राम था, जो कम होकर 61.5 किलोग्राम रह गया है। सिंह ने दावा किया कि उनका वजन लगातार घटने का कारण अज्ञात है, क्योंकि कोई जांच नहीं हुई है। सिंह ने कहा कि वजन घटना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का परिवार, 'आप' और उनके शुभचिंतक जेल में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंतित हैं। सिंह ने आरोप लगाया, भाजपा और केंद्र की उसकी सरकार का मकसद उन्हें जेल में रखना और उनके जीवन से खेलना है। वे साजिश रच रहे हैं ताकि उन्हें कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़े। उच्चतम न्यायायल ने ईडी द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी थी। हालांकि, आबकारी नीति घोटाला मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कारण वह अभी भी जेल में हैं।

राजनाथ सिंह को एम्स से छुट्टी दी गई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को शनिवार को यहां एम्स से छुट्टी दे दी गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दो दिन पहले पीठ में दर्द होने की शिकायत के बाद सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉक्टर रीमा दादा के अनुसार सिंह के पीठ दर्द का उपचार किया गया। उन्होंने कहा कि सिंह को शनिवार अपराह्न दो बजे अस्पताल से छुट्टी दी गई। सिंह को बृहस्पतिवार तड़के न्यूरोसर्जरी विभाग के पुराने निजी वार्ड में भर्ती कराया गया था।

नारनौल में निजी स्काई डाइविंग सुविधा की शुरुआत, पर्यटन मंत्री शेखावत ने की स्काई डाइविंग

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने हरियाणा की नारनौल हवाई पट्टी पर निजी स्काई डाइविंग सुविधा की शुरुआत करते हुए खुद भी इसका हिस्सा बने। उन्होंने नारनौल हवाई पट्टी पर शनिवार सुबह स्काई डाइविंग के प्रथम एयरक्राफ्ट वीटी-एसबीएस को हरी झंडी दिखाई। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में स्काई डाइविंग एक रोमांचपूर्ण खेल है। आने वाले समय में इस रोमांच खेल में काफी सुविधाओं को देखते हुए कई सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस मौके पर मीडिया से बातचीत में केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नारनौल में पहली निजी स्काई डाइविंग सुविधा खुल गई है। यह दुनिया के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज विश्व स्काई डाइविंग दिवस है। भारत में अब विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस स्काई डाइविंग की शुरुआत हो चुकी है। इस क्षेत्र में भी भारत अब विश्वभर के पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने शनिवार को पहली बार आयोजित हुई वर्ल्ड स्काई डाइविंग डे पर खुद स्काई डाइविंग की। उल्लेखनीय है कि 13 जुलाई वर्ल्ड स्काई डाइविंग डे में रूप में मनाया जाता है।

दूसरा मेघालय अनानास महोत्सव, 2024 चल रहा है राजधानी में

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मेघालय के कृषि और किसान कल्याण मंत्री डॉ. एम. अम्पारीन लिंगदोह ने राजधानी में चल रहे दूसरे मेघालय अनानास महोत्सव 2024 में कहा कि उनका राज्य अपनी समृद्ध कृषि-जलवायु परिस्थितियों के साथ अद्वितीय उपज का खजाना है।

राजधानी में चल रहे इस पांच दिवसीय महोत्सव में उन्होंने कहा कि यह महोत्सव अनानास को दुनिया भर में बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के साथ मिलकर, राज्य के किसानों और उद्यमियों के लिए एक अनुकूल आर्थिक वातावरण के विकास के लिए मेघालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे में 5.63 करोड़ रुपये और कार्यशील पूंजी में 1.39 करोड़ रुपये निवेश किए हैं, जिसमें 2023 तक अनानास के लिए विशेष रूप से 78 लाख रुपये विशेष रूप से आवंटित किए गए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप जबरदस्त उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिसमें लुलु ग्रुप, अबू धाबी को 4.36 टन अनानास का निर्यात और करीब 100 टन की घरेलू बाजार पहुंच और यूरोपीय संघ के बाजारों में लगभग 300 टन का सफल निर्यात शामिल है। इन पहलों ने किसानों की आय को 122 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिससे सीधे रूप से 300 से अधिक किसानों को लाभ हुआ है और अप्रत्यक्ष रूप से मेघालय के 5000 से अधिक फल उत्पादकों को लाभ पहुंचा है।किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से, सरकार ने उच्च मूल्य वाली वाणिज्यिक फसलों के लिए मिशन-मोड प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि हल्दी, अदरक, मशरूम, मधुमक्खी पालन, मसाला, खासी मंदारिन, अनानास और अन्य को कवर करने वाले ये प्रोजेक्ट्स समग्र, समुदाय-केंद्रित प्रयासों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका मुख्य लक्ष्य किसानों का भला करना है। उन्होंने कहा, ÷जैसा कि हम आगे देखते हैं, हम वैश्विक बाजार में मेघालय के अनानास को वैश्विक बाजार में एक नाम देने के लिए समर्पित हैं। साथ मिलकर, हम मेघालय के कृषि परिदृश्य के लिए एक सशक्त, आत्मनिर्भर, और समृद्ध भविष्य बना सकते हैं।

दस इंजीनियरों ने 300 करोड़ रुपए का नहीं दिया हिसाब, अब कसेगा शिकंजा

पिछले साल बिहार सरकार ने राहत और बचाव के लिए दिया था रुपया

पटना। (एजेंसी)

बिहार में इस समय बाढ़ से लोग परेशान है और प्रशासन बाढ़ से निपटने की तैयारी में लगा है इसी बीच नीतीश सरकार पुराने हिसाब-किताब में उलझी हुई है। पिछले साल बाढ़ में राहत और बचाव के लिए करोड़ों रुपए दिए गए थे, लेकिन कई इंजीनियर और अधिकारी उसका हिसाब आज तक नहीं दे पाए। अब सरकार इन पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक पिछले साल बाढ़ में जल संसाधन विभाग के दस इंजीनियरों को राहत और बचाव के लिए करीब 300 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। इन इंजीनियरों ने अब तक इसका हिसाब नहीं दिया है। इनमें छह सहायक इंजीनियर और चार कनीय इंजीनियर शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ प्रबंधन कार्यों के लिए यह पैसा अग्रिम रूप से दिया गया था, लेकिन इसका हिसाब अभी तक नहीं मिला है। कई बार कहने पर भी जब इंजीनियरों ने हिसाब नहीं दिया तो अब कार्यपालक अभियंता ने इन इंजीनियरों को चेतावनी दी है कि जल्द से जल्द रुपए जमा कराएं नहीं तो उन पर सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा पैसा कनीय इंजीनियरों के पास है।

इसमें से अकेले सकलदेव सिंह जूनियर इंजीनियर के पास 142 करोड़ रुपए हैं। यह पैसा उन्हें पिछले साल पुनपुन नदी में बाढ़ राहत कार्यों के लिए दिया गया था। नियम के मुताबिक इंजीनियरों को काम खत्म होने के बाद बचा हुआ रुपया वापस सरकारी खजाने में जमा कराना था। हैरानी की बात है यह कि अभी तक उन्होंने रुपया जमा नहीं कराया है। अब एक बार फिर बिहार में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, तो सरकार इन इंजीनियरों से हिसाब लेने की तैयारी कर रही है।

मुकेश अंबानी के बेटे की शादी की चर्चा देश ही नहीं विदेशों में भी

शादी में पानी की तरह पैसा बहाने पर वर्ल्ड मीडिया ने उठाए सवाल

मुंबई। (एजेंसी)

मुंबई नगरी के जियो वर्ल्ड सेंटर में 12 जुलाई की रात मुकेश अंबानी ने अपने बेटे की शादी हुई। इस शादी में ब्रिटेन के दो पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन, टोनी ब्लेयर समेत कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इस शादी की जितनी चर्चा भारत में हुई उतनी ही विदेश में भी हुई। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक के मीडिया ने शादी में हुए खर्च पर हैरानी जताई है। अंबानी परिवार की शादी पर अमेरिकी मीडिया ने भारत में आर्थिक असमानता पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा सालभर तक चली शादी में दिखाई गई अमीरी ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस शादी ने भारत के अमीरों की जिंदगी की झलक पेश की है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रोत्साहन देने वाली सरकार से भारत के अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ी है। ये इंडियन इकोनॉमी के अधिराज बन गए हैं। फोन नेटवर्क्स और अस्पतालों से लेकर सुपरमार्केट्स तक उनके कंट्रोल में हैं। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि भारत में साल 2000 में सिर्फ 9 अरबपति थे। ये अब 200 हो चुके हैं। फोर्ब्स के मुताबिक इनके पास एक ट्रिलियन डॉलर हैं, जो देश की जीडीपी का एक तिहाई है, जबकि इस देश में एक बड़ी आबादी गरीबी

रेखा से नीचे जीवन यापन करती है। भारत की असमानता की तुलना 19वीं सदी के अमेरिका से की है। वह दौर जिसमें धांधली, भ्रष्टाचार और लोगों का शोषण कर अरबपति बने अमेरिकी बिजनेसमैन अपनी दौलत का दिखावा करते थे, जबकि लोग गरीबी में जीने को मजबूर थे।

अब महाराष्ट्र सरकार कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक बेचने पर लगाएगी बैन

स्कूल, कॉलेज के आसपास बेचा तो होगी सख्त कार्रवाई

मुंबई। (एजेंसी)

अब महाराष्ट्र सरकार स्कूल और कॉलेज के पास कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक बेचने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निरीक्षण के बाद ऐसे ड्रिंक बेचने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधान परिषद में यह घोषणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम ने की। मंत्री आत्राम ने कहा कि एनर्जी ड्रिंक के विज्ञापनों के ख़िलाफ़ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस विधायक सत्यजीत तांबे ने विधान परिषद में बच्चों और छात्रों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने नशा मुक्त महाराष्ट्र अभियान शुरू किया है लेकिन राज्य में किराना दुकान, मॉल और स्कूल, कॉलेज के आसपास की दुकानों में कम कीमत पर कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक खुलेआम बेचा जा रहा है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चों के लिए यह नशे की तरह हैं।

मुंबई सहित राज्य के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक छात्रों के स्वास्थ्य के लिए ख़तरा बन गए हैं।

इसे गंभीर मामला मानते हुए सभापति नीलम गोर्हे ने चिंता जताई और संबंधित मंत्री और प्रशासन को 15 दिनों में बैठक करने का आदेश दिया। कांग्रेस विधायक तांबे ने कहा कि विज्ञापनों के बाद युवाओं में एनर्जी ड्रिंक के नाम पर कैफीन युक्त कोल्ड ड्रिंक का सेवन दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। ये ड्रिंक सेहत के लिए बड़ा ख़तरा है।

स्कूल परिसर में एनर्जी ड्रिंक की बिक्री से यह स्कूली बच्चों तक आसानी से पहुंच रहा है। राज्य में स्कूल परिसरों में कैफीन युक्त कोल्ड ड्रिंक की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए। इसके बाद मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम ने स्कूल परिसर के 500 मीटर के दायरे में कैफीन युक्त पेय की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर दी।

उत्तराखंड में बाढ़ से काली नदी उफान पर, पिथौरागढ़-तवाघाट मार्ग बंद

देहरादून। (एजेंसी)

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश ने तबाही मचा दी है। पिथौरागढ़ में धारचूला से करीब 14 किलोमीटर दूर बाढ़ से कुलागाढ़ में भारी मलबा जमा हो गया है। मलबे के कारण काली नदी का प्रवाह भी तेज हो गया है। बाढ़ से नदी उफान पर है, जिसके चलते पिथौरागढ़-तवाघाट मार्ग बंद है। टनकपुर-पिथौरागढ़ हाईवे पर बने पुल के टूटने की खबर भी सामने आई थी लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल सुरक्षित है। पुल के आसपास भारी मात्रा में मलबा जमा हुआ है। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित धारचूला में बाढ़ से हालात बद से बदतर हो गए हैं। यहां कुलागाढ़ नाले में नदी के पास झील बन गई है, जिससे पुल को

खतरा उत्पन्न हो गया है। पिथौरागढ़ जिला आपदा कंट्रोल रूम के मुताबिक कल धारचूला क्षेत्र में बाढ़ से आठ किलोमीटर दूर बहने वाला कुलागाढ़ नाला उफन गया है। कुलागाढ़ नाला जिस जगह पर काली नदी से मिलता है, वहां भारी मात्रा में मलबा जमा होने से झील बन गई है। इस झील से पुल को खतरा पैदा हो गया है। झील का जलस्तर बढ़ने से काली नदी के किनारे बसे धारचूला, जौलजीवी, बलुवाकोट के साथ ही घाटी वाले क्षेत्रों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश से आसपास के पहाड़ों से लगातार बोल्डर पत्थर गिर रहे हैं। नदी के साथ आ रहे भारी बोल्डर लोगों के घरों में भी कंपन पैदा कर रहे हैं। बारिश से लोग बेहाल हैं। वहीं प्रशासन भी मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने की बात कर रहा है। भारी बारिश के चलते काली नदी भी उफान पर है। बादल फटने से किसी भी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन पुलिस लोगों से नदी किनारे न जाने की अपील कर रही ।

भजनलाल सरकार की बजट घोषणा हुई लागू

आज से कोटा में सीएनजी 3 रुपये 69 पैसे सस्ती मिलेगी

जयपुर। (एजेंसी)

कोटा में सीएनजी 3 रुपये 69 पैसे प्रति किलो सस्ती हो गई है। आरएसजीएल के सीएनजी सेंटर पूरे राजस्थान में फिलहाल कोटा में ही है।

लिहाजा वहां आज तत्काल प्रभाव से दरों में कटौती शुरू कर दी गई है। बता दें,राजस्थान सरकार ने अपनी बजट घोषणाओं को लागू करना शुरू कर दिया है। ये उसी का एक हिस्सा माना जा रहा है। बजट घोषणा के अनुसार सरकार ने आज से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी की दरें कम कर दी है। राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेट ने सीएनजी की दरों में कमी के आदेश जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है भजनलाल सरकार ने अपने पहले पूर्ण बजट में बेरोजगारों को भी बड़ा तोहफा देते हुए आगामी पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देने का ऐलाना किया है। इनमें से एक लाख नौकरियां पहले साल में देने का वादा किया गया है। वहीं किसानों, महिलाओं और कर्मचारियों को को लेकर भी बड़े ऐलान किए गए हैं।

आरएसजीएल की चेयरमैन एवं खान सचिव आनंदी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कोटा में अब उपभोक्ताओं को सीएनजी 90 रुपये 21 पैसे प्रति किलो की दर से मिलेगी। सरकार ने बजट में सीएनजी और पीएनजी पर वैट दर साढ़े चार फीसदी कम करने का ऐलान किया था। सीएनजी और पीएनजी पर वैट दर 14.5 से घटाकर 10 प्रतिशत प्रतिशत कर दी गई थी। बजट के तीन दिन बाद आज कोटा में सीएनजी की नई दरें लागू हो गई हैं। भजनलाल

सरकार ने अपने बजट में सीएनजी एवं पीएनजी गैस की दरों में कमी करने के साथ ही आमजन को राहत देने वाली कई योजनाओं का भी ऐलान किया था। तीन दिन पहले 10 जुलाई को विधानसभा में बजट पेश होने के बाद सीएम भजनलाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया था कि बीजेपी सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए संकल्पों में से 45 फीसदी संकल्पों को महज छह माह में पूरा कर दिया है। उसी तरह से बजट घोषणाओं को भी जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा।

सड़क हादसे में आईपीएस का परिवार हुआ घायल तो मचा हड़कंप

पुलिस ने पांच बसों को किया सीज, 21 वाहनों के काटे चालान

आगरा। आगरा-दिल्ली हाइवे पर एक सड़क हादसा हुआ।हादसा रोडवेज बस के अचानक ब्रेक लगाने से हुआ था। बस के पीछे आ रही तेज रफ्तार कार बस में घुस गई। इस हादसे में आईपीएस सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज के भाई, भाभी और परिवार की एक महिला सवार थी ये तीनों घायल हो गए। हादसे से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं बस चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने कई वाहनों पर कार्रवाई की है।

घटना शुक्रवार की है दिल्ली नंबर वाली टोयटा कार लखनऊ जा रही थी। कार जब अबुल उलाह पहुंची तभी अचानक एक रोडवेज बस चालक ने ब्रेक लगा दिए जिससे तेज रफ्तार कार बस में पीछे से घुस गई।

कार में आईपीएस सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज के भाई सत्यव्रत अशोक उनकी पत्नी शकुंतला देवी परिवार की सदस्य आशा देवी बैठी थी। गाड़ी ड्राइवर राजू चला रहा था। राजू ने बताया कि सभी लोग लखनऊ उनकी मां को देखने जा रहे थे। उनकी मां गंभीर रुप से बीमार हैं।

आईपीएस के भाई की कार से हादसा होने के बाद अपर पुलिस महानिरीक्षक यातायात सत्य नारायन यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इधर एसीपी अरीब अहमद ने गलत तरीके से वाहन खड़े करने वालों पर कार्रवाई की। उन्होंने अबुल उलाह दरगाह के पास पांच बसें सीज कर दी साथ ही 21 बसों का चालान काट दिया। साथ ही यातायात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि गलत तरीके से बसें और अन्य भारी वाहन हाईवे पर ना खड़े हों अगर खड़े हो तो उन पर सख्त कार्रवाई करें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)